अध्याय–3

अलाभकारी संस्थाओं के लेखे
(Accounting for Not-For-Profit Organizations)

अलाभकारी संस्थाओं का अर्थ
(Meaning of Not-For-Profit Organizations)

ऐसी संस्थायें जिनका मुख्य उद्देश्य लाभ कमाना न होकर सार्वजनिक कार्य व जन–सेवा करना होता है, अलाभकारी संस्थायें कहलाती हैं। जैसे शिक्षण संस्थायें, धर्मशाला, अनाथालय, ओषधालय, खेलकूद परिषद, पुस्तकालय, देवालय, कल्याण व मनोरंजन के लिये बनाये गये क्लब, धर्म–प्रचारक संस्थायें आदि।

अलाभकारी संस्थाओं के लक्षण
(Features of Not-For-Profit Organizations)

अलाभकारी संस्थाओं के लक्षण निम्न हैं:–

1. इन संस्थाओं के द्वारा कोई भी व्यापारिक गतिविधि अर्थात् वस्तुओं का क्रय–विक्रय नहीं किया जाता है।
2. इन संस्थाओं का मुख्य उद्देश्य जन–सेवा करना होता है न कि लाभ कमाना।
3. ऐसी संस्थाओं की गणना गैर–व्यापारिक संस्थाओं में की जाती है।
4. इन संस्थाओं के द्वारा रोकड बही, स्टॉक रजिस्टर, स्मरण पुस्तक व सदस्य रजिस्टर आदि रखे जाते है।
5. इन संस्थाओं की रोकड बही का स्वरूप व्यापारिक संस्थाओं की रोकड बही से भिन्न होता है।
6. इन संस्थाओं के द्वारा एक निश्चित अवधि का आय–व्यय खाता बनाकर बचत (Surplus) व न्यूनता (Deficiency) ज्ञात की जाती है।
7. एक निश्चित अवधि के पश्चात् स्थिति विवरण/चिट्ठा बनाकर पूँजीकोष (Capital Fund) में हुई वृद्धि या कमी की जानकारी प्राप्त की जाती है।

अलाभकारी संस्थाओं की मुख्य पुस्तकें
(Main Books of Not-For-Profit Organizations)

इन संस्थाओं के द्वारा निम्न मुख्य पुस्तकें रखी जाती हैं :–

1. रोकड बही (Cash Book)

रोकड बही में लेखा करने का तरीका व्यापारिक संस्थाओं जैसा ही है। सर्वप्रथम रोकड बही का प्रारम्भिक शेष दिखाया जाता है। सभी नकद प्राप्तियों को इस पुस्तक के डेबिट पक्ष में तथा सभी नकद भुगतानों को क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है। अन्त में दोनों पक्षों (Dr. व Cr.) का अन्तर रोकड शेष कहलाता है। इन संस्थाओं की रोकड बही का स्वरूप व्यापारिक संस्थाओं की रोकड बही से बडा होता है। प्रायः इन संस्थाओं द्वारा खानों वाली रोकड बही (Columnar Cash Book) का प्रयोग किया जाता है। जिसमें मुख्य–मुख्य मदों के लिये डेबिट व क्रेडिट में अलग–अलग खाने (Column) बनाये जाते हैं। जिससे कि प्रत्येक मद पर हुये खर्च व आय की जानकारी प्राप्त हो सके। रोकड बही का प्रारूप निम्न प्रकार होता हैं :–

CASH BOOK

Dr. Side

Date	Particulars	Total Amount	ANALYTICAL COLUMNS				
			Fee	Donations	Subscri-ptions	Entrance Fees	Sundries

Cr. Side

Date	Particulars	Total Amount	ANALYTICAL COLUMNS					
			Statio-nary	Salaries & Wages	Books & Papers	Sports Mate-rials	Postage & Stamps	Sundries

2. स्टॉक रजिस्टर (Stock Register) :-

अलाभकारी संस्थाओं द्वारा अपनी सम्पत्तियों का पूर्ण ब्यौरा स्टॉक रजिस्टर में रखा जाता है। प्रत्येक वस्तु को खरीदने के समय ही इस रजिस्टर में लेखा किया जाता है। यदि कोई सम्पत्ति अधिक मात्रा में है तो उस सम्पत्ति के लिये अलग से स्टॉक रजिस्टर रखा जाता है। इस रजिस्टर की सहायता से ही सम्पत्ति के अस्तित्व का सत्यापन किया जा सकता है।

3. सदस्य रजिस्टर (Members Register) :-

इस संस्थाओं के सदस्यों से प्राप्त चन्दे का लेखा इस रजिस्टर में किया जाता है। इन सदस्यों द्वारा ही संस्था का प्रबन्ध व संचालन किया जाता है। संस्था के सभी सदस्यों के नाम व पते इस रजिस्टर मे लिखे जाते हैं। इस रजिस्टर के द्वारा यह पता किया जा सकता है कि सदस्यों से कितना चन्दा प्राप्त हुआ है, कितना बकाया रह गया।

4. स्मरण पुस्तकें (Memorandum Books) :-

सामान्य तौर पर अलाभकारी संस्थाओं के उधार लेन–देन नहीं होते हैं। और यदि होते भी हैं तो बहुत कम। उधार लेन–देन होने पर याद रखने के लिये उन्हें कापी या डायरी में लिख लिया जाता है। जिसे स्मरण पुस्तक कहते हैं। इन व्यवहारों के सम्बन्ध में रोकड प्राप्त होने पर या रोकड भुगतान होने पर लेखा रोकड बही मे कर दिया जाता है।

अलाभकारी संस्थाओं से सम्बन्धित कुछ विशिष्ट मदें
(Some Peculior items related to Not-For-Profit Organizations)

अलाभकारी संस्थाओं से सम्बन्धित विशिष्ट मदें निम्न हैं :–

1. प्रवेश शुल्क (Entrance Fees) :-

अलाभकारी संस्थाओं द्वारा अपने सदस्यों से प्रथम बार सदस्य बनने पर जो शुल्क वसूल किया जाता है उसे प्रवेश शुल्क कहते हैं। शिक्षण संस्थाओं में भी विद्यार्थियों से प्रवेश शुल्क वसूल किया जाता है। प्रवेश शुल्क को आयगत माना जावे या पूँजीगत माना जावे, इस सम्बन्ध में विद्वानों में मतभेद है। अधिकांश विद्वानों के मत के अनुसार प्रवेश शुल्क को आयगत आय माना जाता है। परन्तु यदि कोई संस्था प्रवेश शुल्क को पूँजीगत करने का निर्णय ले लेती है तो ऐसी स्थिति में प्रवेश शुल्क को आयगत आय न मानकर पूँजीगत आय के रूप में चिट्ठे के दायित्व पक्ष में पूँजीकोष में जोड कर दिखाया जाता है।

2. आजीवन सदस्यता शुल्क (Life Membership Fees) :-

अलाभकारी संस्थाएँ कुछ निश्चित शुल्क प्राप्त करके स्थायी सदस्य बनाती है। ऐसे सदस्यों को वार्षिक सदस्यता शुल्क जमा कराने की आवश्यकता नहीं होती है। आजीवन सदस्यता शुल्क से प्राप्ति केवल चालू वर्ष से सम्बन्धित न होकर संस्था के पूर्ण जीवन काल से सम्बन्धित

होती है। अतः इसे पूँजीगत आय मानकर चिट्ठे में पूँजीकोष में जोडकर दिखाया जाता है। इस मद को आय–व्यय खाते में नहीं दिखाया जाता है परन्तु प्राप्ति एवं भुगतान खाते के डेबिट पक्ष में दिखाया जाता है।

3. चन्दा या अभिदान (Subscription) :-

अलाभकारी संस्थाओं की प्राप्तियों में चन्दा एक प्रमुख प्राप्ति है। चन्दे की प्राप्त राशि से ही संस्था का संचालन किया जाता है। चन्दे की प्रकृति आयगत होती है, अतः इसे आय–व्यय खाते में दिखाया जाता है। आय–व्यय खाते में केवल चालू वर्ष से सम्बन्धित चन्दे की राशि ही दिखाई जाती हैं। प्राप्ति एवं भुगतान खाते में चालू वर्ष में सदस्यों से प्राप्त चन्दे की कुल राशि दिखाई जाती है चाहे यह चन्दे की राशि पिछले या चालू या अगले वर्ष से सम्बन्धित ही क्यों न हो।

आय–व्यय खाते में दिखाई जाने वाली चन्दे की राशि की गणना अग्र प्रकार से की जा सकती है :–

Calculation of Amount of Subscription to be shown in Income & Expenditure Account

	₹
Total Subscription received during the year (As shown in Receipt and Payment Account)	------------
Add :- Subscription outstanding at the end of the year	------------
	------------
Less :- Subscription outstanding at the beginning of the year	------------
	------------
Add :- Subscription received in Advance at the beginning of the year	------------
	------------
Less :- Subscription received in advance at the end of the year	------------
Amount of Subscription to be shown in Income & Expenditure Account	------------

4. दान (Donation) :-

कुछ अलाभकारी संस्थाओं के लिए दान आय का महत्वपूर्ण स्रोत है। दान जिस वर्ष में प्राप्त होता है उस वर्ष के प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष में दिखाया जाता है। दान को आय–व्यय खाते में दिखाया जाये अथवा नहीं, यह दान की प्रकृति पर निर्भर करता है। दान की प्रकृति दो प्रकार की हो सकती है–

(अ) विशिष्ट दान (Specific Donation) ;

(ब) सामान्य दान (General Donation)

(अ) विशिष्ट दान (Specific Donation) –जब दान की राशि किसी विशेष उद्देश्य हेतु ही प्राप्त की जाती है तो उसे विशिष्ट दान कहते हैं। जैसे–पुस्तकालय भवन या क्रीडा परिषद के भवन निर्माण हेतु दान। विशिष्ट दान को पूँजीगत प्राप्ति माना जाता है तथा इसे चिट्ठे के दायित्व पक्ष में उचित शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है। जैसे–भवन निर्माण हेतु प्राप्त दान को चिट्ठे के दायित्व पक्ष में भवन निर्माण कोष के अन्तर्गत दिखाया जाता है। विशिष्ट दान को आय–व्यय खाते में नहीं दिखाया जाता है।

(ब) सामान्य दान (General Donation) –जब दान की राशि किसी विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त नहीं होती है तो उसे सामान्य दान कहते हैं। सामान्य दान को आय–व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाया जाता है। सामान्य दान की राशि अधिक होने पर उसे पूँजीगत आय मानकर चिट्ठे के दायित्व पक्ष में उचित शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है।

5. पुराने समाचार–पत्र एवं पत्र–पत्रिकाओं की बिक्री (Sale of Old Newspapers and Magazines) – पुराने अखबारों एवं पत्र–पत्रिकाओं की बिक्री से प्राप्त राशि को आय–व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाया जाता है। यह राशि प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष में दिखाई जाती है।

6. पुरानी सम्पत्ति की बिक्री (Sale of Old Assets) – पुरानी सम्पत्ति की बिक्री राशि से प्राप्त राशि पूँजीगत प्रकृति की प्राप्ति है। अतः इसे प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष में दिखाया जाता है परन्तु इस प्राप्ति को आय–व्यय खाते में नहीं दिखाया जाता है। सम्पत्ति के बेचने से होने वाली लाभ या हानि की राशि को आय–व्यय खाते में दिखाया जाता है।

7. खेल के सामान की बिक्री (Sale of Sports Materials) –प्रायः खेल क्लब प्रयोग किये गये खेल के सामान (जैसे पुरानी गेंद, पुराने जाल, पुराने बल्ले आदि) की बिक्री करते हैं। इस राशि को प्राप्ति एंव भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष में तथा आय–व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाया जाता है।

8. अनुरिक्थ (Legacy) –यह वह राशि है जो वसीयत के अनुसार अलाभकारी संस्थाओं को प्राप्त होती है। इसकी पूँजीगत प्रकृति होती है तथा इसे प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्राप्ति पक्ष मे तथा चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है। यदि अनुरिक्थ की राशि कम हो तो इसे आय मानकर आय–व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाया जाता है। यह राशि दान की तरह होती है।

9. सरकार एवं अन्य संस्थाओं से अनुदान (Aid from Government and other Institutions) – अलाभकारी संस्थाओं को अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु सरकार तथा अन्य संस्था से अनुदान प्राप्त होता है। इस सहायता को आयगत आय मानकर आय–व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाया जाना चाहिये।

10. विशिष्ट कोष (Special Fund) – अलाभकारी संस्थायें कुछ उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विशिष्ट कोष का निर्माण करती हैं। जैसे क्रीडा परिषद वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता के आयोजन हेतु क्रीडा कोष का निर्माण कर सकती है। ऐसा आयोजन करने पर खेलकूद प्रतियोगिताओं पर हुए व्यय को आय–व्यय खाते के डेबिट पक्ष में नहीं दिखाना चाहिये अपितु ऐसे व्यय को बनाये गये विशेष कोष में से घटाकर बताना चाहिये।

अलाभकारी संस्थाओं के द्वारा एक निश्चित अवधि के अन्त में सामान्यतया निम्नलिखित विवरण तैयार किये जाते हैं :–

1. प्राप्ति एवं भुगतान खाता
2. आय–व्यय खाता तथा

3. स्थिति विवरण / चिट्ठा

1. प्राप्ति एवं भुगतान खाता (Receipts and Payment Account)

प्राप्ति एवं भुगतान खाता रोकड बही की सहायता से बनाया जाता है। यह खाता निश्चित अवधि से सम्बन्धित रोकडी लेन–देनों का सार प्रदर्शित करता है। अलाभकारी संस्थायें रोकड बही के डेबिट व क्रेडिट पक्ष में विश्लेषणात्मक खाने बनाकर प्राप्तियों एवं भुगतानों का मदानुसार विश्लेषण करती हैं तथा इन विश्लेषणात्मक खानों के योग से ही प्राप्ति एवं भुगतान खाता तैयार किया जाता है। यह दोहरा लेखा प्रणाली पर आधारित नहीं है अर्थात् यह स्मरणार्थ खाता है।

''प्राप्ति एवं भुगतान खाता रोकड बही के सार मात्र से कुछ भी अधिक नहीं है। यह एक खाते के रूप में बनाया जाता है और इसका प्रयोग प्रायः संस्थाओं, क्लबों, समितियों आदि के कोषाध्यक्षों द्वारा वर्ष के कार्य संचालन के परिणामों को प्रस्तुत करने हेतु किया जाता है।''

प्राप्ति एवं भुगतान खाता तैयार करने की विधि :–

1. इस खाते के डेबिट पक्ष में रोकड बही का प्रारम्भिक शेष तथा क्रेडिट पक्ष में अन्तिम शेष दिखाया जाता है।
2. रोकड बही के डेबिट पक्ष में लिखी गई विभिन्न प्राप्तियों को (जैसे–दान, किराया, चन्दा, वार्षिक शुल्क, सदस्यता शुल्क, प्रवेश शुल्क आदि) प्राप्ति एवं भुगतान खाते के डेबिट पक्ष में दिखाया जाता है।
3. रोकड बही के क्रेडिट पक्ष में लिखे गये विभिन्न भुगतानों (जैसे–वेतन, स्टेशनरी, खेल सामग्री, प्रिंटिंग व स्टेशनरी, पोस्टेज व स्टाम्प आदि) को प्राप्ति व भुगतान खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाया जाता है।
4. रोकड बही में बार–बार लिखी जाने वाली मदों को जोडकर प्राप्ति व भुगतान में एक साथ एक बार लिखा जाता है।
5. इस खाते में समस्त प्राप्तियों व समस्त भुगतानों (चाहे वे आयगत हों या पूँजीगत) को दिखाया जाता है।
6. प्राप्ति व भुगतान खाते में केवल रोकडी लेन–देनों का लेखा किया जाता है अर्थात् पूर्वदत्त व्यय (Prepaid Expenses), अनुपार्जित आय (Unearned Income), अदत्त व्यय (Outstanding Expenses) तथा उपार्जित आय (Accured Income) , ह्रास आदि का समायोजन नहीं किया जाता है।
7. इस खाते में समस्त प्राप्तियों व भुगतानों को दिखाया जाता है चाहे वह चालू वर्ष से सम्बन्धित हों या पूर्व वर्ष से सम्बन्धित हों या अगले वर्ष से सम्बन्धित हों।
8. प्राप्ति एंव भुगतान खाते की प्रकृति वास्तविक खाते (Real Account) की है। अतः लेखा करते समय वास्तविक खाते के नियमों (जो वस्तु आती है उसे डेबिट करो तथा जो वस्तु जाती है उसे क्रेडिट करो) का ध्यान रखा जाता है।
9. इस खाते में लेन–देनों को तिथिवार नहीं लिखा जाता है।
10. इस खाते द्वारा तलपट व चिट्ठा बनाना सम्भव नहीं है।

प्राप्ति एवं भुगतान खाते का प्रारूप अग्रांकित प्रकार है:–

Proforma of Receipts and Payments Account

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d		By Balance b/d (Bank	
Cash in hand	---------	Overdraft)	---------
Cash at Bank	---------	By Rent, Rates & Taxes	---------
To Capital Receipts		By Sundry Expenses	---------
(By sale of assets etc.)	---------	By Salaries & Wages	---------

To Entrance Fees	---------	By Electricity Expenses	---------
To Life Membership Fees	---------	By Office Expenses	---------
To Subscription	---------	By Library Expenses & Books	---------
To Interest and Dividend	---------	By Printing & Stationery	---------
To Legacy	---------	By Investment Purchased	---------
To Donation	---------	By Furniture	---------
To Rent	---------	By Sports Equipments	---------
To Sale of Old Newspaper	---------	By Balance c/d	
To Govt. Aid	---------	Cash in hand	---------
To Receipts from Entertainment	---------	Cash at Bank	---------
To Sundry Receipts	---------		
To Balance C/d (Bank Overdraft)	---------		
	--------		--------

प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा रोकड बही में अन्तर

(Difference between Receipts and Payments Account and Cash Book)

प्राप्ति एवं भुगतान खाता रोकड बही का सारांश है फिर भी इन दोनों में निम्नलिखित अन्तर पाये जाते हैं–

क्र. सं.	अन्तर का आधार	प्राप्ति एवं भुगतान खाता	रोकड बही
1.	तिथिवार	इसमें प्राप्तियों व भुगतानों को तिथिवार नहीं लिखते हैं।	इसमें प्राप्तियों व भुगतानों को तिथिवार लिखते हैं।
2.	अवधि	यह निश्चित अवधि के बाद या वर्ष के अन्त में तैयार किया जाता है।	इसमें लेन–देनों का लेखा वर्ष भर होता है।
3.	स्वरूप	यह रोकड बही का संक्षिप्त रूप है।	यह रोकड लेन–देनों का विस्तृत रूप है।
4.	सहायता	यह रोकड बही की सहायता से बनाया जाता हैं।	यह संस्था में हुए व्यवहारों की सहायता से तैयार किया जाता है।
5.	प्रकृति	यह एक स्मरणार्थ खाता है।	यह मुख्य पुस्तक है।
6.	प्रविष्टी	इसमें समस्त प्राप्तियों व भुगतानों को मदों के अनुसार विश्लेषण कर योग दिखाया जाता है।	इसमें प्रत्येक प्राप्ति व भुगतान की मद को अलग–अलग दिखाया जाता है।
7.	उपयोगिता	यह खाता गैर व्यापारिक संस्थाएँ व अलाभकारी संस्थाओं द्वारा तैयार किया जाता है।	यह खाता व्यापारिक संस्थाओं द्वारा बनाया जाता है।

उदाहरण (Illustration) 1 :-

फ्रेन्ड्स क्लब के माह अप्रेल 2010 के निम्नलिखित व्यवहारों से रोकड बही एवं प्राप्ति एवं भुगतान खाता तैयार कीजिये।

2010		₹
April 1	Cash in Hand	10,000
April 1	Cash at Bank	12,000
April 3	Subscriptions	3,000
April 3	Entrance Fees	200
April 5	Subscriptions	4,200
April 7	Donations	6,000
April 8	Salaries Paid	4,000
April 10	Subscriptions	6 ,000
April 10	Entrance Fees	400
April 12	Stationery Purchased	2,000
April 13	Sports Material Purchased	4,000
April 14	Subscriptions	3,000
April 16	Postage & Stamps	2,000
April 17	Subscriptions	3,480
April 18	Stationary Purchased	2,000
April 20	Donations	4,000
April 25	Salaries Paid	5,000
April 27	Subscription	6,000
April 30	Sports Material Purchased	2,000
April 30	Salaries Paid	4,000

हल (Solution) :-

Friends Club

Debit Side : **Cash Book**

Date	Particulars	Total Amount	Analysis				
			Fees	Donation	Subscription	Entrance Fees	Sundries
2010	To Balance b/d						
	Cash	10,000	-	-	-	-	-
April 1	Bank	12,000	-	-	-	-	-
April 3	To Subscriptions	3,000	-	-	3,000	-	-
April 3	To Entrance Fees	200	-	-	-	200	-
April 5	To Subscriptions	4,200	-	-	4,200	-	-
April 7	To Donations	6,000	-	6,000	-	-	-
April 10	To Subscriptions	6,000	-	-	6,000	-	-
April 10	To Entrance Fees	400	-	-	-	400	-
April 14	To Subscriptions	3,000	-	-	3,000	-	-
April 17	To Subscriptions	3,480	-	-	3,480	-	-

April 20	To Donations	4,000	-	4,000	-	-	-
April 27	To Subscriptions	6,000	-	-	6,000	-	-
Total		**58,280**	**-**	**10,000**	**25,680**	**600**	**-**

Credit Side :

Date	Particulars	Total Amount	Analysis					
			Stationery	**Salaries & Wages**	**Books & Papers**	**Sports Material**	**Postage & Stamps**	**Sundries**
2010			-					
April 8	By Salaries	4,000		4,000	-	-	-	-
April 12	By Stationary	2,000	2,000	-	-	-	-	-
April 13	By Sports Materials	4,000	-	-	-	4,000	-	-
April 16	By Postage and Stamps	2,000	-	-	-	-	2,000	-
April 18	By Stationary	2,000	2,000	-	-	-	-	-
April 25	By Salaries	5,000	-	5,000	-	-	-	-
April 30	By Sports Material	2,000	-	-	-	2,000	-	-
April 30	By Salaries	4,000	-	4,000	-	-	-	-
April 30	By Balance C/d							
	Cash	21,280	-	-	-	-	-	-
	Bank	12,000	-	-	-	-	-	-
Total		**58,280**	**4,000**	**13,000**	**-**	**6,000**	**2,000**	**-**

Receipts and Payments Account
For the end of month April 2011

Date	Receipts	Amount ₹	Date	Payments	Amount ₹
2010	To Balance b/d		2010		
April 1	Cash	10,000	April 30	By Stationary	4,000
	Bank	12,000			
April 30	To Subscriptions	25,680	April 30	By Salaries & Wages	13,000
April 30	To Donations	10,000	April 30	By Sports Material	6,000
April 30	To Entrance Fees	600	April 30	By Postage and Stamps	2,000
			April 30	By Balance C/d	
				Cash	21,280
				Bank	12,000
		58,280			**58,280**

उदाहरण (Illustration) 2 :-

निम्नलिखित सूचनाओं से रोटरी क्लब का 31 मार्च 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान खाता तैयार कीजिये।

	₹
Cash Balance (01.04.09)	12,400

Reciepts

(i)	Subscription received including Rs. 4000 for 2008-09 and Rs. 6000 for 2010-11	37,600
(ii)	Entrance Fees	12,000
(iii)	Sale of Sports Materials	4,000
(iv)	Donations	20,000

Payments

(i)	Salaries and Wages including Rs. 4000 paid for last year	24,000
(ii)	Printing and Stationary	6,000
(iii)	Rent and Light	10,000
(iv)	Postage	2,000
(v)	Purchases of Sports Materials	16,000
(vi)	Entertainment Expenses	10,000
(vii)	Paid for Newspapers & Magazines	4,000
(viii)	Sundry Expenses Paid	3,200

हल (Solution) :

Rotary Club
Receipts and Payments Account
For the year ended on 31st March, 2010

Receipts		Amount ₹	Payments		Amount ₹
To Balance b/d		12,400	By Salaries and Wages :	₹	
To Subscription:	₹		2008-09	4000	
2008-09	4000		2009-10	20000	24,000
2009-10	27600		By Printing & Stationary		6,000
2010-11	6000	37,600	By Rent & Light		10,000
To Entrance Fees		12,000	By Postage		2,000
To Donations		20,000	By Purchase of Sports Materials		16,000
To Sale of Sports Materials		4,000	By Entertainment Expenses		10,000
			By Newspaper & Magazines		4,000
			By Sundry Expenses		3,200
			By Balance C/d		10800
		86,000			**86,000**

टिप्पणी :–

1. प्राप्ति एवं भुगतान खाते में वर्ष 2009–10 में प्राप्त सभी प्राप्तियों को दिखाया गया है। चाहे वे वर्ष 2008–09 से सम्बन्धित हैं या आगामी वर्ष 2010–11 से सम्बन्धित हैं।
2. इसी प्रकार भुगतानों में सभी भुगतानों को दिखाया गया है। चाहे वे किसी भी वर्ष से सम्बन्धित हैं।

उदाहरण (Illustration) 3:-

अग्रवाल क्लब, जयपुर द्वारा दी गई निम्नलिखित सूचनाओं से 31 मार्च 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान खाता बनाइये।

	₹		₹
Cash as at 01-04-2009	1,025	Sale of Old Bats etc.	50
Subscription received (Including Rs. 40 for 2008-09 and Rs. 60 for 2010-11	2,150	12% General Investments (made on 01-08-2009)	500
Upkeep of fields	220	12% Tournament Fund Investment (made on 01.08.2009)	1,500
Admission Fees	40	Tournament Expenses	1,200
Salaries	600	Sale of Old furniture (Cost Rs. 100)	60
Drama Expenses	450	Bats and Balls Purchased	700
Life Membership Subscription	100	Proceeds of drama tickets	950
Newspaper Purchased	150	Interest on 12% General invest, Received	12.50
Books Purchased	100	Interest on 12% Tournament Fund	37.50
Donations Received (on 01-08-2009)	500	Printing & Stationary	100
Subscription for Tournament received (on 01.08.2009)	1,500	Furniture	250
Municipal Taxes	40	Subscription received for Governor's Party	3,450
Charity Given	350		
Sale of Old Newspapers	45		

हल (Solution) :

Receipts and Payments Account of Agrawal Club, Jaipur

For the year ending on 31st March, 2010

Receipts		₹	Payments	₹
To Balance b/d		1,025	By Upkeep of Fields	220
To Subscription			By Salaries	600
2008-09	40		By Drama Expenses	450
2009-10	2,050		By Newspapers	150
2009-11	60	2,150	By Books	100
To Admission Fees		40	By Municipal Taxes	40
To Life Membership subscription		100	By Charity	350

To Donations (on 01.08.2009)	500	By 12% General Investments (0n 01.08.2009)	500
To Subscription for Tournament (on 01.08.2009)	1,500	By 12% Tournament Fund Investments (on 01.08.2009)	1,500
To Sales of Old newspapers	45	By Tournament Expenses	1,200
To sale of old bats etc.	50	By Bats, Balls etc.	700
To Proceeds of drama tickets	950	By Printing & stationery	100
To sale of old furniture (costing Rs. 100)	60	By Furnitures	250
To Interest on 12% General Investments	12.50	By Balance C/d	3,760
To Interest on 12% Tournament Fund Investments	37.50		
To Subscription for Governor's Party	3,450		
	9,920		**9,920**

2. आय–व्यय खाता (Income and Expenditure Account) :-

प्राप्ति भुगतान खाता अलाभकारी संस्था की वास्तविक लाभ–हानि की जानकारी नहीं दर्शाता है तथा इससे अलाभकारी संस्था की आर्थिक स्थिति का भी पता नहीं लग पाता है। इस खाते में केवल नकद प्राप्तियों व नकद भुगतानों का लेखा किया जाता है तथा अदत्त व्यय, पूर्वदत्त व्यय, अर्जित आय, अनुपार्जित आय, ह्रास, उधार लेन–देन आदि का लेखा भी नहीं किया जाता है। यह खाता वर्ष के अन्त में रोकड शेष को बताता है परन्तु संस्था की बचत या घाटे की स्थिति नहीं दर्शाता है। प्राप्ति व भुगतान खाते की उपरोक्त कमियों के कारण ही अलाभकारी संस्थाओं द्वारा आय–व्यय खाता बनाया जाता है।

आय–व्यय खाते की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :–

1. यह खाता व्यापारिक संस्थाओं द्वारा बनाये जाने वाले लाभ–हानि खाते के समान होता है। इसकी प्रकृति नाम–मात्र के खाते (Nominal Account) की तरह होती है।
2. आय–व्यय खाते के डेबिट पक्ष में सम्बन्धित वर्ष के आयगत खर्चे दिखाये जाते हैं चाहे उनका नकद भुगतान कर दिया गया हो या बकाया हो।
3. आय–व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में सम्बन्धित वर्ष की आयगत आयों को दिखाया जाता है चाहे वे रोकड में प्राप्त हुई हों अथवा नहीं।
4. इस खाते में समायोजन उसी प्रकार किये जाते हैं जिस प्रकार की लाभ–हानि खाते में किये जाते हैं। जैसे उपार्जित आय, अदत्त व्यय, पूर्वदत्त व्यय, अनुपार्जित आय, ह्रास आदि।
5. आय–व्यय खाता बनाते समय आयगत खर्चों व आयगत आयों को ही लिखा जाता है अर्थात् पूँजीगत खर्चों व आयों को नहीं लिखा जाता है।
6. यदि आय–व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष का योग डेबिट पक्ष के योग से अधिक होता है तो इसे आय का व्यय पर आधिक्य (Excess of Income Over Expenditure) कहते हैं।
7. इसके विपरीत यदि इस खाते के डेबिट पक्ष का योग क्रेडिट पक्ष के योग से अधिक है तो इसे व्यय का आय पर आधिक्य (Excess of Expenditure Over Income) कहते हैं।

आय–व्यय खाते का प्रारूप निम्न प्रकार है–
PROFORMA OF INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
To All Revenue Expenses paid Add :- All revenue expenses payable (relating to current year)	--------- ----------	By All Revenue Income received Add:- All Revenue Income receivable (relating to current year)	--------- ---------
Less :- Revenue expenses paid in advance (for the future)	---------- ----------	Less:- Income received in advance (for the future)	---------- ----------
Less :- Revenue expenses paid for the past	---------- ----------	Less:- Income received for the past	---------- ----------
To Excess of Income over Expenditure (Surplus)	---------	By Excess of Expenditure over Income (Deficit)	----------

प्राप्ति–भुगतान खाते व आय–व्यय खाते में अन्तर
(Difference between Receipt-Payment Accuount & Income-Expenditure Account)

प्राप्ति–भुगतान खाते व आय–व्यय खाते में अन्तर निम्न प्रकार है :–

संख्या	अन्तर का आधार	प्राप्ति एवं भुगतान खाता	आय–व्यय खाता
1.	खाते की प्रकृति	यह वस्तुगत खाता है।	यह नाम–मात्र का खाता है।
2.	स्वरूप	यह रोकड बही का सारांश है।	यह लाभ–हानि खाते के समान है।
3.	रोकड शेष	इसमें रोकड बही के प्रारम्भिक व अन्तिम शेष दिखाये जाते हैं।	इसमें रोकड बही के प्रारम्भिक एवं अन्तिम शेष नहीं दिखाये जाते हैं।
4.	आवश्यकता	इसका बनाना आवश्यक नहीं होता है।	लाभ–हानि की जानकारी हेतु इसका बनाना आवश्यक होता है।
5.	नकद लेन–देन	इसमें सभी नकद लेन–देन दर्शाये जाते हैं, चाहे वे आगामी, पूर्व या चालू वर्ष से सम्बन्धित हों।	इसमे केवल चालू वर्ष से सम्बन्धित नकद लेन–देन ही दिखाये जाते हैं।
6.	प्राप्तियों की प्रकृति	इसमें आयगत व पूँजीगत दोनों प्राप्तियों को दिखाया जाता है।	इसमें केवल आयगत प्रकृति की प्राप्तियाँ ही दिखाई जाती है।
7.	भुगतानों की प्रकृति	इसमें आयगत व पूँजीगत दोनो प्रकार के भुगतानों को दिखाया जाता है।	इसमें केवल आयगत भुगतानों को ही दर्शाया जाता है।

8.	पक्ष	इसके डेबिट पक्ष में प्राप्तियाँ व क्रेडिट पक्ष में भुगतान दिखाये हैं।	इसके डेबिट पक्ष में खर्चे तथा क्रेडिट पक्ष में आयों को दिखाया जाता है।
9.	समायोजन	इसमें आय–व्यय सम्बन्धी समायोजन नहीं किये जाते हैं। जैसे–अदत्त व्यय, पूर्वदत्त व्यय आदि।	इसमें आय–व्यय सम्बन्धी समायोजन किये जाते हैं।
10.	ह्वास व हानियॉ	इसमें ह्वास व हानियों को नहीं दिखाया जाता है।	इसमें ह्वास व हानियों को दिखाया जाता है।
11.	लेखा पद्धति	यह दोहरा लेखा पद्धति पर आधारित नहीं है।	यह दोहरा लेखा पद्धति पर आधारित है।
12.	चिट्ठा	प्राप्ति व भुगतान खाते के बाद चिट्ठा बनाना आवश्यक नहीं है क्योंकि यह एक स्वतन्त्र विवरण है।	इसे बनाने के बाद चिट्ठा बनाना आवश्यक है, जिसमें पूॅजीगत मदें दिखाई जाती हैं।
13.	शेष	इसमें खाते का शेष रोकड बही का अन्तिम शेष बताता है।	इसमें खाते का शेष बचत या घाटा बताता है।

आय–व्यय खाता एवं लाभ–हानि खाता में अन्तर
(Difference between Income & Expenditure Account and Profit & Loss Account)

व्यापारिक संस्थाएँ निश्चित अवधि के पश्चात् लाभ/हानि ज्ञात करने के लिए लाभ–हानि खाता बनाती है। जबकि अलाभकारी संस्थाएँ जिनका कि उद्देश्य लाभ कमाना न होकर सेवा प्रदान करना है निश्चित अवधि के पश्चात् आधिक्य व न्यूनता के लिए आय–व्यय खाता बनाती है। हालांकि लाभ–हानि खाता व आय–व्यय खाता को बनाने का तरीका एक ही है। इसके बावजूद इनमें निम्नलिखित अन्तर पाये जाते हैं :–

संख्या	अन्तर का आधार	आय–व्यय खाता	लाभ–हानि खाता
1.	किसके द्वारा बनाये जाता है।	इसे अलाभकारी संस्थाओं द्वारा बनाया जाता है।	इसे व्यापारिक संस्थायें बनाती हैं।
2.	क्यों बनाया जाता है।	निश्चित तिथि के पश्चात् आधिक्य व न्यूनता ज्ञात करने के लिए बनाया जाता है।	निश्चित अवधि के पश्चात् लाभ/हानि ज्ञात करने के लिए बनाया जाता है।
3.	आधार	इसे प्राप्ति एवं भुगतान खाते व अन्य सूचनाओं के आधार से तैयार किया जाता है।	इसे तलपट व अन्य सूचनाओं के आधार से बनाया जाता हैं।
4.	पक्ष	इस खाते की बायीं पक्ष में खर्चे व दायीं पक्ष में आय दिखाई जाती है।	यह खाता डेबिट व क्रेडिट दो भागों में विभाजित होता है तथा डेबिट पक्ष में खर्चे व क्रेडिट पक्ष में आय दिखाई जाती है।

प्राप्ति एवं भुगतान खाते से आय–व्यय खाता तैयार करना
(Preparation of Income & Expenditure Account from Receipts & Payments Account)

प्राप्ति एवं भुगतान खाते से किसी व्यक्ति या संस्था को होने वाली बचत (Surplus) या घाटे (Deficit) का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। इस जानकारी हेतु आय–व्यय खाते का बनाना आवश्यक है। प्राप्ति एवं भुगतान खाते से आय–व्यय खाता बनाते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए–

1. प्राप्ति एवं भुगतान खाते के प्रारम्भिक एवं अन्तिम रोकड एवं बैंक शेष को आय–व्यय खाते में नहीं दिखाया जाता है। इन्हें स्थिति विवरण के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जाता है।
2. प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दिखाई गई पूँजीगत प्राप्तियों एवं पूँजीगत भुगतानों को आय–व्यय खाते में नहीं दिखाया जाता है क्योंकि आय–व्यय खाते में आयगत प्राप्तियों एवं आयगत भुगतानों को ही दिखाया जाता है।
3. प्राप्ति एवं भुगतान खाते के डेबिट पक्ष में दिखाई गई उन आयगत प्राप्तियों को, जो चालू वर्ष से सम्बन्धित है, आय–व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाया जाता है।
4. प्राप्ति एवं भुगतान खाते के क्रेडिट पक्ष में दिखाये गये उन आयगत भुगतानों को जो चालू वर्ष से सम्बन्धित हैं, आय–व्यय खाते के डेबिट पक्ष में दिखाया जाता है।
5. आय–व्यय खाते में चालू वर्ष की आयों व व्ययों का लेखा किया जाता है। अतः प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दिखाई गई मदों की राशि में प्रश्न में दी गई अतिरिक्त सूचनाओं के आधार पर समायोजन कर चालू वर्ष से सम्बन्धित आय और व्यय की राशि ज्ञात कर ली जाती है।
6. प्राप्ति एवं भुगतान खाते में प्रदर्शित उन प्राप्तियों एवं भुगतानों को छोड दिया जाता है जो कि पिछले वर्ष या आगामी वर्ष से सम्बन्धित हैं अर्थात इन मदों को चालू वर्ष के आय–व्यय खाते में नहीं दिखाया जाता है।
7. चालू वर्ष की ऐसी आय जो देय (Due) हो चुकी परन्तु प्राप्त नहीं हुई है, उन्हें आय–व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में उपार्जित आय के रूप में दिखाया जाता है।
8. चालू वर्ष के ऐसे खर्चे जिनका भुगतान वर्ष के अन्त तक नहीं किया गया है, आय–व्यय खाते के डेबिट पक्ष में अदत्त व्यय के रूप में दिखाया जाता है।
9. निम्न मदें प्राप्ति एवं भुगतान खाते में प्रकट नहीं होती हैं, परन्तु इन मदों की जानकारी अन्य सूचनाओं से प्राप्त कर इन्हें आय–व्यय खाते में दिखाया जाता है।
   (1) स्थायी सम्पत्तियों पर मूल्य– ह्रास को डेबिट पक्ष में दिखाया जाता है।
   (2) स्थायी सम्पत्तियों की बिक्री पर हानि को डेबिट पक्ष में दिखाया जाता है।
   (3) स्थायी सम्पत्तियों की बिक्री पर लाभ को क्रेडिट पक्ष में दिखाया जाता है।
10. इस प्रकार आय–व्यय खाता तैयार करके उसका शेष ज्ञात किया जाता है। इस खाते का क्रेडिट शेष बचत (Surplus) को तथा डेबिट शेष घाटे (Deficit) को बताता है।

    उपरोक्त विवेचन से यह स्पष्ट है कि आय–व्यय खाता तैयार करते समय कुछ मदों का समायोजन आवश्यक होता है। इन मदों का वर्णन निम्न प्रकार है–

1. **चालू वर्ष के अदत्त (बकाया) खर्चे (Outstanding Expenses of Current Year) :-** चालू वर्ष के बकाया खर्चों को आय–व्यय खाते में सम्बन्धित व्यय में जोडकर दिखाया जाता है।

2. **चालू वर्ष में पूर्वदत्त (आगामी वर्ष) व्यय (Prepaid Expenses in Curreny Year) :-** पूर्वदत्त व्ययों को सम्बन्धित व्ययों में (प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दिखाये गये) से घटाया जाता है तथा शेष व्ययों की राशि को ही आय–व्यय खाते में दिखाया जाता है।
3. **चालू वर्ष के व्ययों का गत वर्ष में भुगतान (Expenses of Current Year paid in previous Year)** इन खर्चों की राशि को चालू वर्ष के व्ययों की राशि में जोडकर आय–व्यय खाते में दिखाया जाता है।
4. **चालू वर्ष में गत वर्ष के अदत्त व्ययों का भुगतान (Payment of Outstanding Expenses of Last Year) :-** इन अदत्त व्ययों को चालू वर्ष के खर्चों में से घटा दिया जाता है तथा शेष व्ययों की राशि ही आय–व्यय खाते में दिखाई जाती है।
5. **चालू वर्ष की अर्जित आय (Accured Income of Current Year) :-** चालू वर्ष की अर्जित आय को चालू वर्ष की प्राप्त आय में जोडकर आय–व्यय खाते में दिखाया जाता है।
6. **चालू वर्ष में आगामी वर्ष की आय प्राप्त होना (Next year's Income received in Current Year)** इस मद की प्राप्ति एवं भुगतान खाते में बताई गई प्राप्ति में से घटाकर आय–व्यय खाते में दिखाया जाता है।
7. **गत वर्ष में प्राप्त चालू वर्ष की आय (Income of Current Year received in Previous Year) :-** इस मद को चालू वर्ष की प्राप्त आय में जोडकर आय–व्यय खाते में दिखाया जाता है।
8. **चालू वर्ष में गत वर्ष से सम्बन्धित आय की प्राप्ति (Income of Previous Year received in Current Year) :-** इस मद की राशि को चालू वर्ष की प्राप्त आय में से घटाकर आय–व्यय खाते में दिखाया जाता है।

उदाहरण (Illustration) 4

अवनि स्पोर्ट क्लब के चन्दे के सम्बन्ध में दी गई सूचनाओं से उसके वर्ष 2009–10 में आय–व्यय खाते में दर्शायी जाने वाली राशि ज्ञात कीजिये।

	₹
Subscription Received	
for 2008-09	8000
2009-10	80000
2010-11	5000
	93000

संस्था के 500 सदस्य हैं जो 200 रुपये वार्षिक चन्दा देते हैं। चालू वर्ष का चन्दा 3000/– पूर्व के वर्षों में प्राप्त कर लिया गया था।

हल (Solution) :-

Calculation of Subscription which will be shown in Income and Expenditure Account for the Year ended 31st March 2010.

	₹
Subscription received	93,000
Add:- Subscription outstanding at the end of 2009-10	17,000
	1,10,000

Less:- Outstanding Subscription at the beginning of the year	8,000
	1,02,000
Add:- Subscription of the Current year received in Previous Year	3,000
	1,05,000
Less:- Subscription received in Advance for 2010-11	5,000
	1,00,000

टिप्पणी :–

1. संस्था के 500 सदस्य हैं। प्रति वर्ष 200 ₹ चन्दे के हिसाब से वर्ष 2009–10 के लिए चन्दे की राशि ₹ 1,00,000/– होती है।
2. वर्ष 2009–10 में चन्दे की कुल राशि 500 X 200 = 1,00,000 ₹ होती है। चालू वर्ष का 3000 ₹ चन्दा पूर्व के वर्षों में ही प्राप्त कर लिया गया था। शेष (1,00,000–3,000) = 97,000 ₹ चालू वर्ष में प्राप्त करने चाहिये थे लेकिन चालू वर्ष 2009–10 में सिर्फ 80,000 ₹ ही प्राप्त हुए हैं। शेष राशि (97,000–80,000) = 17,000 ₹ चालू वर्ष का बकाया चन्दा रहा।

उदाहरण (Illustration) 5 :-

निम्न सूचनाओं से एक क्लब की वर्ष 2010 की चन्दे से आय ज्ञात कीजिये (विभिन्न प्रारूपों में)

	1-1-2010	31-12-2010
Outstanding Subscription	₹ 9,500	₹ 7,000
Advance Subscription	₹ 2,800	₹ 5,200
Subscription received during 2010	₹ 1,48,900	

हल (Solution) :

चन्दे से आय की गणना निम्न तीन प्रारूपों से की जा सकती है :–
The Income from subscription may be computed in any of the following three ways:

(a) In Statement Form (विवरण प्रारूप में)

Particulars	₹	₹
A. Subscription received during 2010		1,48,900
B. Add:- (a) Outstanding subscription as at 31.12.2010	7,000	
(b) Advance subscription as at 01.01.2010	2,800	9,800
C. Less:- (a) Outstanding subscription as at 1.1.2010	9,500	
(b) Advance subscription as at 31.12.2010	5,200	14,700
D. Subscription Income for 2010 (A+B-C)		**1,44,000**

(b) (In Account Form) : (खाते प्रारूप में)

Subscription Account

Particulars	₹	***Particulars***	₹
To Outstanding Subscription A/c (In the beginning)	9,500	By Advance Subscription A/c (in the beginning)	2,800
To Income & Expenditure Account(balancing figure)	1,44,000	By Bank A/c	1,48,900
To Advance Subscription A/c	5,200	By Outstanding Subscription A/c (at the end)	7,000
	1,58,700		1,58,700

(C) In Equation Form : (समीकरण प्रारूप में)

$$S_1 = SR + OS_2 + AS_1 - OS_1 - AS_2$$
$$= ₹\ 1{,}48{,}900 + ₹\ 7{,}000 + ₹\ 2{,}800 - ₹\ 9{,}500 - ₹\ 5{,}200 = ₹\ 1{,}44{,}000$$

Where S1 = Subscription Income, SR= Subscription received, OS2=Outstanding Subscription at the end, AS1=Advance Subscription in the beginning, OS1=Outstanding Subscription in the beginning, AS2=Advance Subscription at the end.

उदाहरण (Illustration) 6 :

एक संस्था के निम्नलिखित तथ्यों के आधार पर वर्ष 2009–10 को समाप्त होने वाली अवधि में आय–व्यय खाते में दिखाई जाने वाली राशि की गणना कीजिये।

	₹
Stock of Stationary 01.04.09	1000
Stock of Stationary 31.03.10	2000
Payment for stationary for 2009-10	10000

हल (Solution) :

Calculation of Stationary which will be shown in Income and Expenditure account for the year ended 31.03.2010

	₹
Payment for Stationary for 2009-10	10,000
Add:- Opening Stock of Stationary (01.04.09)	1,000
	11,000
Less:- Closing Stock of Stationary (31.03.10)	2,000
	9,000

उदाहरण (Illustration) 7 :-

एक संस्था के वर्ष 2009–10 के आय व्यय खाते में वेतन के सम्बन्ध में निम्न सूचनाओं से प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दर्शायी जाने वाली राशि ज्ञात कीजिये।

Amount shown in Income and Expenditure A/c For the Year 2009-10	20,000
Amount of Salary Outstanding on 01.04.09	1,000
Amount of Salary Outstanding on 31.03.10	2,000

हल (Solution) :

Calculation of Amount of Salary which will be shown in Receipts and Payments Account for the Year 2009-10

	₹
Amount of Salary shown in Income and Expenditure A/c	20,000
Add:- Salary Outstanding 01.04.09	1,000
	21,000
Less:- Salary Outstanding 31.03.10	2,000
	19,000

उदाहरण (Illustration) 8:-

एक क्लब द्वारा नीचे दी गये प्राप्ति एवं भुगतान खाते व उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर 31 दिसम्बर 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय–व्यय खाता बनाइये।

Receipts & Payments Account
for the year ending 31st Dec. 2010

Receipts	₹	*Payments*	₹
To Balance b/d	350	By Salaries	1,400
To Subscription		By General Expenses	300
2009 — 250		By Electric Charges	200
2010 — 1000		By Books	500
2011 — 200	1,450	By Newspapers	400
To Rent Received from the use of the hall	700	By Balance	200
To Profit from Entertainment	400		
To Sales of Newspapers	100		
	3,000		3,000

अतिरिक्त सूचनाएँ :–

(अ) क्लब के 50 सदस्य हैं प्रत्येक सदस्य के द्वारा 25 ₹ वार्षिक चन्दा दिया जाता है। 31 दिसम्बर 2009 को बकाया चन्दा 300 ₹ ।

(ब) 31 दिसम्बर 2010 को बकाया वेतन 100 ₹।

(स) वर्ष के वेतन भुगतान में 300 ₹ वर्ष 2009 के शामिल हैं।

(द) 1–1–2010 को क्लब के पास भवन 10,000 ₹, फर्नीचर 1,000 ₹ और पुस्तकें 1,000 ₹ की थीं।

(य) फर्नीचर पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास लगाना है।

हल (Solution):

Income & Expenditure Account
for the year ended 31 Dec. 2010.

Expenditure		***Amount*** ₹	***Income***	***Amount*** ₹
To Salaries	1,400		By Annual Subscription of 50 members @ 25	1,250
Add:- Outstanding Salary	100		By Rent of Hall	700
	1,500		By Profit from Entertainment	400
Less:- Salaries paid for 2009	300	1,200	By Sale of Newspapers	100
To General Expenses		300		
To Electric Charges		200		
To Newspapers		400		
To Depreciation on Furniture		100		
To Surplus (Excess of Income over Expenditure)		250		
		2,450		2,450

टिप्पणी :–

1. वर्ष के दौरान खरीदी गयी 500 ₹ की पुस्तकों को पूँजीगत व्यय माना गया है। अतः आय–व्यय खाते में यह राशि नहीं दर्शायी गयी हैं।
2. सूचना के अभाव में भवन तथा पुस्तकों पर मूल्य ह्रास नहीं लगाया गया है।
3. आय–व्यय खाते में चन्दे की दर्शायी गयी राशि की गणना निम्न प्रकार की गई हैः–

	₹
Subscription received during 2009-10	1450
Add:- Outstanding for 2009-10	250
	1700
Less:- Subscription received in Advance for 2010-11	200
	1500
Less:- Subscription received for 2008-09	250
	1250

3. स्थिति विवरण/चिट्ठा (Balance Sheet) :-

आमतौर पर अलाभकारी संस्थाओं द्वारा गत वर्ष का चिट्ठा, चालू वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा अन्य उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर चालू वर्ष का चिट्ठा निम्न नियमों को ध्यान में रखते हुये बनाया जाता है :–

सम्पत्ति पक्ष (Assets Side) :–

1. चालू वर्ष के प्राप्ति एवं भुगतान खाते से वर्ष के अन्तिम दिनों की रोकड ज्ञात करना चाहिए तथा उसे चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष पर दिखाना चाहिए।
2. रोकड के अतिरिक्त अन्य सम्पत्तियों के लिए सबसे पहले गत वर्ष के चिट्ठे से सम्पत्तियों की सूची बना लेनी चाहिए तथा यह ज्ञात करना चाहिए कि क्या चालू वर्ष में कोई पुरानी सम्पत्ति बेची गयी है अथवा कोई नयी सम्पत्ति ,खरीदी गयी है। रोकड में बेची गयी सम्पत्ति का विवरण ''प्राप्ति एवं भुगतान खाते'' के डेबिट पक्ष से ज्ञात

किया जा सकता है। बेचने की स्थिति में गत वर्ष के चिट्ठे में दिखायी गयी उस सम्पत्ति के शेष में से बेची गयी सम्पत्ति का पुस्तक मूल्य घटा देना चाहिए। पुस्तक मूल्य और विक्रय मूल्य का अन्तर बेची गयी सम्पत्ति पर लाभ अथवा हानि प्रकट करता है। इसे आय–व्यय खाते में ले जाना चाहिए। यदि चालू वर्ष में कोई सम्पत्ति खरीदी गयी है तो गत वर्ष के चिट्ठे में प्रदर्शित सम्पत्ति के मूल्य में खरीदी गयी सम्पत्ति का मूल्य जोड देना चाहिए। (Assests shown in Previous Year Balance Sheet+Assets Purchase during the year – Book Value of Assets Sold during the Year) चालू वर्ष में खरीदी गयी सम्पत्ति का विवरण ''प्राप्ति एवं भुगतान खाते'' के क्रेडिट पक्ष से अथवा अन्य सूचनाओं से ज्ञात किया जा सकता है। इन समायोजनों के पश्चात् सम्पत्ति की राशि को चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष पर दिखाना चाहिए।

3. यदि गत वर्ष में चिट्ठे में बकाया आय, यथा चन्दा, दान, किराया आदि के सम्बन्ध में समायोजन दिखाए हुए हैं तो यह ज्ञात करना चाहिए कि क्या चालू वर्ष में उक्त आय प्राप्त हो गयी है। संस्था की रोकड बही से यह तथ्य ज्ञात किया जा सकता है। यदि चालू वर्ष में गत वर्ष की बकाया आय वसूल नहीं हो पायी है अथवा आंशिक राशि ही वसूल हो पायी है तो जितनी राशि वसूल नहीं हुई है, उसे चालू वर्ष के चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष पर दिखाया जावेगा।
4. दी गई अतिरिक्त सूचनाओं से चालू वर्ष से सम्बन्धित बकाया आय की राशि ज्ञात करनी चाहिए तथा उसको सम्पत्ति पक्ष पर दिखाना चाहिए।
5. दी गई अतिरिक्त सूचनाओं से पूर्वदत्त व्ययों को भी ज्ञात करना चाहिए तथा उनको चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष पर दिखाना चाहिए।

दायित्व पक्ष (Liabilities Side) :–

1. गत वर्ष के चिट्ठे से पूँजीकोष (Capital Fund) ज्ञात करना चाहिए। यदि गत वर्ष का चिट्ठा उपलब्ध नहीं है परन्तु स्थिति विवरण बनाने की सभी सूचनाएँ उपलब्ध हैं तो स्थिति–विवरण बनाकर पूँजीकोष ज्ञात करना चाहिए। स्थिति–विवरण बनाने के लिए वर्ष के प्रारम्भ की तिथि की सम्पत्तियाँ तथा दायित्व ज्ञात किये जाते हैं। सम्पत्तियाँ तथा दायित्वों का अन्तर ही पूँजीकोष कहलाता है।
2. गत वर्ष के चिट्ठे में बकाया व्ययों से सम्बन्धित यदि दायित्व हैं तो यह ज्ञात करना चाहिए कि क्या ऐसे दायित्वों का भुगतान किया जा चुका है। रोकड बही के क्रेडिट पक्ष से इस तथ्य को जाना जा सकता है। यदि कोई दायित्व शेष रह गये हैं तो ऐसे दायित्वों को चालू वर्ष के चिट्ठे में दायित्व पक्ष की तरफ दिखाया जाता है।
3. गत वर्ष के चिट्ठे के दायित्व पक्ष पर कुछ ऐसी मदें भी हो सकती हैं जो पूर्व प्राप्त आय से सम्बन्धित हों अर्थात् यदि चालू वर्ष से सम्बन्धित आय गत वर्ष में प्राप्त हो गयी है तो उसे गत वर्ष के चिट्ठे में दायित्व पक्ष की ओर दिखाया जाता है। इस प्रकार के दायित्व का समायोजन केवल चालू वर्ष के आय–व्यय खाते में किया जाता है। इसको चालू वर्ष के चिट्ठे में नहीं बताया जाता है।
4. यदि चालू वर्ष के अन्त में कुछ व्यय अदत्त रह जाते हैं तो इन व्ययों को चिट्ठे के दायित्व पक्ष की तरफ दिखाना चाहिए। इन व्ययों को अतिरिक्त सूचनाओं से ज्ञात किया जा सकता है।
5. रोकड बही तथा अतिरिक्त सूचनाओं से इस प्रकार की आय को ज्ञात करना चाहिए जो चालू वर्ष में प्राप्त हो गयी हैं परन्तु आगामी वर्ष से सम्बन्धित हैं अर्थात् अग्रिम आय। इस प्रकार की आय को दायित्व पक्ष पर दिखाना चाहिए।

6. संस्था के नियमों के अनुसार आय की कतिपय मदों, यथा–प्रवेश शुल्क, आदि को पूँजीगत माना जा सकता है। ऐसी स्थिति में इन मदों को चिट्ठे में पूँजी कोष में जोडकर बताना चाहिए।
7. प्राप्त विशिष्ट दान की राशि को उपयुक्त शीर्षक के अन्तर्गत दिखाना चाहिए।

अलाभकारी संस्थाओं द्वारा बनाये जाने वाले स्थिति विवरण/चिट्ठा का प्रारूप निम्न प्रकार है :–

Format of Balance Sheet as on……………..

Liabilities	Amount (₹)	Assets	Amount (₹)
Capital (Opening Balance)	………..	Fixed Assets	……….
Add:- Receipts Capitalised	………..	Current Assets	……….
Add:- Excess of Income over Expenditure for Current Year	………..	Cash at Bank	……….
		Cash in Hand	……….
Less:- Excess of Expenditure over Income for Current Year	………..	Income Receivable or Outstanding	……….
		Accured Interest	……….
		Prepaid Expenses	……….
Other Special Fund	………..		
Sundry Creditors	………..		
Outstanding Expenses	………..		
Income Received in Advance	………..		
	………..		……….

उदाहरण (Illustration) 9 :-

रमन स्टेडी सोसायटी का 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए रोकड बही का सारांश निम्नलिखित है:–

Particulars	₹	Particulars	₹
Balance from last year	6380	Rent, Rates etc.	3360
Entrance Fees	5100	Wages	4900
Subscription	32000	Lighing	1440
Donations	3300	Lecture Fees	8700
Life Membership Fees	5000	Books	4260
Interest	280	Office Expenses	9000
Profit from Entertainment	840	10% Deposit on 1st October, 2009	16000
		Cash at Bank	4840
		Cash in Hand	400
	52900		52900

वर्ष के प्रारम्भ में सोसायटी के पास 40,000 ₹ का भवन तथा 10,000 ₹ की पुस्तकें थीं। वर्ष के प्रारम्भ में वार्षिक चन्दा 700 ₹ बकाया था और 800 ₹ अग्रिम था। वर्ष के अन्त में वार्षिक चन्दा 900 ₹ बकाया था और भाडा दर आदि 480 ₹ अग्रिम थे। भवन और पुस्तकों पर 10 प्रतिशत मूल्य– ह्रास लगाया गया। भवन पर 2000 ₹ मरम्मत के लिए आयोजन करना है। 50 प्रतिशत प्रवेश शुल्क को पूँजीगत माना जावे।

उपर्युक्त विवरण से आप 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए आय–व्यय खाता तथा उसी तिथि का चिट्ठा बनाइये।

हल (Solution):

Income and Expenditure Account of the Raman Study Society
For the year ended 31st March, 2010

Expenditure		Amount	Income		Amount
		₹			₹
			By Entrance Fees		2550
To Rent	3360		By Subscriptions		33000
Less:- Prepaid	480	2880	By Donations		3300
To Wages		4900	By Interest	280	
To Lighting		1440	Add:- Accured Interest	520	800
To Lecture Fees		8700	By Profit form Entertainment		840
To Office Expenses		9000			
To Depreciation:					
Books	1426				
Building	4000	5426			
To Provision for Repairs on Building		2000			
To Excess of Income over Expenditure		6144			
		40490			40490

Balance Sheet of the Raman Study Society
as on 31st March, 2010

Liabilities		Amount	Assets		Amount
		₹			₹
Provision for Repairs		2000	Cash in Hand		400
Capital Fund	56280		Cash at Bank		4840
Add:- (i) Entrance Fee	2550		Subscription Outstanding		900
(ii) Life Membership Fee	5000		Rent & Rates Prepaid		480
(iii) Excees of Income over			Fixed Deposit	16000	
Expenxditure	6144	69974	Add:- Accured Interest	520	16520
			Books Rs.(10000+4260)	14260	
			Less:- Depreciation	1426	12834
			Building	40000	
			Less: Depreciation	4000	36000
		71974			71974

टिप्पणियाँ :–

1. रमन स्टेडी सोसायटी का 1 अप्रेल 2009 को पूँजीकोष का शेष निम्नलिखित विवरण बनाकर ज्ञात किया गया है :–

	₹		₹
Subscription received in Advance	800	Cash	6380
Capital Fund (Balancing Figure)	56280	Books	10000
		Subscription Outstanding	700
		Building	40000
	57080		57080

2. आय–व्यय खाते में दिखायी गयी चन्दे की राशि निम्न प्रकार ज्ञात की गयी है:–

		₹
Subscription received during the year		32000
Less:- Subscription of the last year received during the current year		700
		31300
Add:- (1) Subscription of the current year which was received last year	800	
(2) Subscription of the current year still outstanding	900	1700
Income from Subscription during the year		33000

उदाहरण (Illustration) 10:-

रीया क्लब के 31 मार्च, 2009 को निम्नलिखित दायित्व एवं सम्पत्तियाँ थे :–

Liabilities : Capital Fund ₹ 10,71,000, Outstanding Miscellaneous Expenses ₹ 26,100 Subscription Received in Advance ₹ 56,000 Loan ₹ 6,70,000

Assets : Cash-₹ 2,15,100, Books ₹ 2,78,000, Building ₹ 4,00,000, Furniture ₹ 3,00,000, Investments Rs. 5,50,000 and Subscription Outstanding ₹ 80,000

31 मार्च, 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष की रोकड बही का सारांश अग्रलिखित है :

Cash Book

	₹	₹		₹	₹
To Balance b/d		2,15,100	By Salaries		1,20,000
To Subscriptions :			By Rent		60,000
2008-09	74,900		By Repairs		1,79,000
2009-10	3,41,400		By Miscellaneous Expenses :		
2010-11	4,700	4,21,000	2008-09	21,000	
To Receipt from Entertainment		2,13,100	2009-10	1,59,000	1,80,000
To Rent		77,800	By Expenses on Entertainments		1,87,000

To Entrance Fee	23,000	By Loans	1,70,000
To Interest	21,500	By Newspapers & Magazines	50,000
To Donations	1,63,500	By Telephone Expenses	31,000
		By Balance C/d	1,58,000
	11,35,000		11,35,000

अग्रलिखित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए आय–व्यय खाता तथा उसी दिन का चिट्टा बनाइए :–

1. भवन, फर्नीचर तथा पुस्तकों पर 10 प्रतिशत मूल्य ह्रास लगाइए।
   (Provide depreciation on Building, Furniture and Books @ 10 per cent.)
2. उपार्जित ब्याज 12,500 ₹ (Accured Interest ₹ 12,500)
3. वर्ष 2009–10 के 70,000 ₹ चन्दा के बकाया हैं।
   (Subscription relating to the year 2009-10 Outstanding ₹ 70,000)
4. प्रवेश शुल्क को पूँजीगत करना है। (Entrance Fee is to be capitalised.)

हल (Solution) :

Income and Expenditure Account of Riya Club
for the year ending 31st March, 2010

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
To Salaries	1,20,000	By Subscription 3,41,400	
To Rent	60,000	Add:- Subscription of this	
To Repairs	1,79,000	year received last year 56,000	
To Miscellaneous Expenses	1,59,000	3,97,400	
To Newspapers & Magazines	50,000	Add:- Subscription of this	
To Telephone Expenses	31,000	year still outstanding 70,000	4,67,400
To Depreciation :		By Interest 21,500	
Building 40,000		Add:- Outstanding 12,500	34,000
Furniture 30,000		By Donations	1,63,500
Books 27,800	97,800	By Rent	77,800
To Excess of Income over	72,000	By Receipt from Entertainment	
Expenditure		2,13,100	
		Less:- Expenses on	
		Entertainment 1,87,000	26,100
	7,68,800		7,68,800

Balance Sheet of Riya Club
as on 31st March, 2010

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	₹		₹
Loan : (6,70,000-1,70,000)	5,00,000	Cash	1,58,000
Miscellaneous Expenses		Investments	5,50,000
outstanding (26,100-21,000)	5,100	Furniture 3,00,000	
Subscription received in adv.	4,700	Less: Depreciation 30,000	2,70,000
Capital Fund 10,71,000		Books 2,78,000	
Add:-Entrance Fee 23,000		Less: Depreciation 27,800	2,50,200
10,94,000		Subscription outstanding	
Add:-Excees of Income over		(70,000 + 5,100)	75,100
Expenxditure 72,000	11,66,000	Accured Interest	12,500
		Building 400000	
		Less: Depreciation 40000	3,60,000
	16,75,800		16,75,800

उदाहरण (Illustration) 11:-

जयपुर स्पोर्टस क्लब से सम्बन्धित विवरण निम्न है :–

Income & Expenditure Account
for the year ended 31.12.2010

Expenditure	₹	Income	₹
To Salaries	1,500	By Entrance Fees	10,500
To Printing & Stationery	2,200	By Subscriptions	15,600
To Advertising	1,600	By Rent	4,000
To Audit Fees	500		
To Fire Insurance	1,000		
To Depreciation on Sports Equipments	9,000		
To Excess of Income over Expenditure	14,300		
	30,100		30,100

Receipts and Payments Account
for the year ended 31.12.2010

Recipts	₹	Payments	₹
To Balance b/d	4,200	By Salaries	1,000
To Entrance Fees	10,500	By Printing & Stationery	2,600
To Subscriptions:		By Advertising	1,600
2009	600	By Fire Insurance	1,200
2010	15,000	By Investments	20,000
2011	400	By Balance C/d	7,800
To Rent Received	3,500		
	34,200		34,200

The Assets on 01.01.2010 Included Club Grounds and Pavilion ₹ 44,000; Sports Equipments ₹ 25,000 and Furniture and Fixtures ₹ 4,000. Subscriptions in arrears as on that date were ₹ 800.
31 दिसम्बर 2010 को चिट्‌ठा तैयार कीजिए।

हल (Solution):

Balance Sheet of Jaipur Sports Club
as on 31st Dec. 2010

Liabilities	₹	Assets	₹
Subscriptions received in advance	400	Club Grounds and Pavilion	44,000
		Sports Equipments	16,000
Salaries Outstanding	500	Furniture & Fixtures	4,000
Audit Fees Outstanding	500	Subscriptions Outstandings	800
Capital Fund 78,000		Cash in Hand	7,800
Add:- Excess of Income over		Rent Receivable Outstanding	500
Expenditure 14,300	92,300	Fire Insurance Prepaid	200
		Printing & Stationary Prepaid	400
		Investments	20,000
	93,700		93,700

Working Note : (कार्यशील टिप्पणी)

Balance Sheet of Jaipur Sports Club
as on 31st Dec. 2009

Liabilities	₹	Assets	₹
Capital Fund (Balancing Figure)	78,000	Club Grounds and Pavilion	44,000
		Sports Equipments	25,000
		Furniture & Fixtures	4,000
		Subscriptions Outstandings	800
		Cash in Hand	4,200
	78,000		78,000

नोट :– प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी व बीमे के क्रमशः 400 ₹ व 200 ₹ पूर्वदत्त माने गये हैं।

उदाहरण (Illustration) 12:-

नवकार फुटबाल क्लब का 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान खाता निम्न है :–

Receipts and Payments Account
for the year ended 31.12.2010

Receipts	₹	Payments	₹
To Balance b/d 01.04.09	48,000	By Purchase of Balls	80,000
To Subscription received	2,46,000	By Tournaments Fees	10,000
To Interest	2,000	By Affiliation Fees	2,000
To Sale of Furniture	10,000	By Rent of Playgrounds	5,000
To Donations for Club	60,000	By Refreshment Expenses	4,000

Building		By Travelling Expenses	30,000
		By Investments Purchases at face Value	1,00,000
		By Salary	12,000
		By Miscellaneous Expenses	8,000
		By Balance C/d 31.03.10	1,15,000
	3,66,000		3,66,000

निम्न सूचनाओं को लेते हुए 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए आय–व्यय खाता एवं उसी तिथि का चिट्ठा बनाइये ।

1. प्राप्त चन्दे में 10,000 रु. 2008–09 का व 8,000 रु. 2010–11 का शामिल है।
2. चालू वर्ष का बकाया चन्दा 16,000 ₹।
3. उपार्जित ब्याज जो प्राप्त नहीं हुआ 500 ₹
4. बेचे गये फर्नीचर का पुस्तक मूल्य 14,000 ₹।
5. वर्ष 2009–10 का खेल मैदान का किराया 6,000 ₹ और वेतन 5,000 ₹ बकाया है।
6. चालू वर्ष में चुकाये गये खेल मैदान के किराये में वर्ष 2008–09 का 1,000 ₹ शामिल है।
7. 31 मार्च, 2010 को क्लब के पास स्टॉक में बाल्स (balls) 4,000 ₹ की है।

हल (Solution):

Navkar Football Club
Income and Expenditure Account
for the year ended 31st March 2010

Expenditure	₹	Income	₹
To Balls purchased 80,000		By Subscriptions 2,46,000	
Less:- Closing Stock 4,000	76,000	Add:- outstanding for the	
To Tournament Fees	10,000	Current Year 16,000	
To Affiliation Fees	2,000	2,62,000	
To Rent of Playground 5,000		Less:- Outstanding for last	
Add:- Outstanding for the		year 10,000	
Current year 6,000		2,52,000	
11,000		Less:- Received in	
Less:- Rent Outstanding		advance for	
for last year 1,000	10,000	next year 8,000	2,44,000
To Refreshment expenses	4,000	By Interest 2,000	
To Travelling Expenses	30,000	Add:- Interest due but	
To Salary 12,000		not received 500	2,500
Add:- outstaning for the			
Current year 5,000	17,000		
To Miscellaneous Expenses	8,000		
To Loss on Sale of Furniture			
(14,000-10,000)	4,000		
To Excess of Income over			
Expenditure	85,500		
	2,46,500		2,46,500

Balance Sheet of Navkar Football Club
as on 31st March 2010

Liabilities		₹	Assets	₹
Subscriptions received in advance		8,000	Cash	1,15,000
Outstanidng Expenses:			Investments	1,00,000
Salary	5,000		Accured Interest	500
Rent	6,000	11,000	Outstanding Subscriptions	16,000
Building Fund		60,000	Stock of Balls	4,000
Capital Fund (01.04.09	71,000			
Add:- Excess of Income over Expenditure	85,500	1,56,500		
		2,35,500		2,35,500

Working Note : (कार्यशील टिप्पणी)

Navkar Football Club
Balance Sheet
as on 1st April, 2009

Liabilities	₹	Assets	₹
Outstanding Rent for 2008-09	1,000	Cash	48,000
Capital Fund (Balancing Figure)	71,000	Subscriptions Outstandings	10,000
		Furniture	14,000
	72,000		72,000

उदाहरण (Illustration) :- 13

निम्नलिखित सूचनाओं की सहायता से यूथ क्लब, जयपुर का 31 दिसम्बर 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय–व्यय खाता तथा उसी दिन का चिट्ठा बनाईये।

Receipts: - Balance on 1-1-2010 ₹ 2400; Subscription ₹ 20,000; Entrance Fee ₹ 1,000; Donations for Swimming pool ₹ 18,000; Life Membership Contribution ₹ 5,000; Interest ₹ 600; and sale of Tickets ₹ 3,000.

Payments:- Salaries and Wages ₹ 8,000; Audit Fee ₹ 500; Electricity ₹ 600; Printing & Stationery ₹ 1,000; Office Expenses ₹ 3,000; Advertisement ₹ 900; Games Equipment and Materials ₹ 8,000; 6% Fixed deposit on 1-4-2010 ₹ 20,000; Insurance Premium ₹ 1,600 and Balance on 31.12.2010 ₹ 6,400.

1 जनवरी, 2010 को क्लब के पास निम्न सम्पत्तियाँ थीं :–

भवन 30,000 ₹, खेल उपकरण एवं सामग्री 10,000 ₹ स्वीमिंग पूल कोष 20,000 ₹ और पूँजी कोष 21,700 ₹।

अतिरिक्त सूचनाएँ जो उपलब्ध थीं– चन्दे गत वर्ष के अन्त में 700 ₹ बकाया थे और चालू वर्ष के अन्त में 1,000 ₹। चन्दे 2009 में 2010 के लिए 600 ₹ प्राप्त किये गये और वर्ष 2010 में 2011 के लिए अग्रिम प्राप्त चन्दे 900 ₹ के हैं। इस वर्ष के प्रारम्भ में वेतन के 500 ₹ बकाया थे और इस वर्ष के अन्त में 800 ₹। वार्षिक बीमा शुल्क का भुगतान 31 मार्च, 2011 तक के लिए किया गया है। 300 ₹ का एक विज्ञापन बिल 2008 वर्ष के सम्बन्ध में इस साल भुगतान किया गया है। प्रवेश शुल्क एवं आजीवन सदस्यता शुल्कों का पूँजीकरण करना है। ह्रास भवन पर 5 प्रतिशत तथा खेल यंत्र एवं सामग्री पर 20 प्रतिशत काटिए।

हल (Solutions) :

Income and Expenditure Account of Youth Club of Jaipur
for the year ending on 31st December, 2010

Expenditure	Amount	Income	Amount
	₹		₹
To Salaries & Wages 8,000		By Subscriptions 20,000	
Add:- Outstanding at		Add:- Outstanding at	
the end 800		the end 1,000	
8,800		Add:- Received in	
Less:- Outstanding at		advance in 2009	
the beginning 500	8,300	for 2010 600	
To Audit Fees	500	21,600	
To Electricity	600	Less:- Outstanding at	
To Printing & Stationery	1,000	the beginning 700	
To Office Expenses	3,000	Less:- Recd. in advance	20,000
To Insurance Premium 1,600		for 2011 900	
Less:- Prepaid 400	1200	By Interest 600	900
To Advertisement 900		Add:- Accrued 300	3,000
Less:- Outstanding at the		By Sale of Tickets	
beginning 300	600		
To Depreciation on:			
Games Equipment			
and Materials 3,600			
Building 1,500	5,100		
To Surplus being Excess			
of Income over			
Expenditure	3,600		
	23,900		23,900

Balance Sheet of Youth Club Jaipur
as on 31st Dec. 2010

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	₹		₹
Outstanding Salaries	800	Cash in Hand	6,400
Advance Subscriptions	900	Fixed Deposit	20,000

Swimming Pool Fund 20,000		Accured interest on above	300
Add:- Donation 18,000	38,000	Prepaid Insurance	400
Capital Fund 21,700		Outstanding Subscriptions	1,000
Add:- Entrance Fees 1,000		Games Equipment &	
Add:- Life Membership		Materials 18,000	
Contributions 5,000		Less:- Dep. 3,600	14,400
Add:- Surplus 3,600	31,300	Building 30,000	
		Less:- Dep. 1,500	28,500
	71,000		71,000

उदाहरण (Illustration) 14:-

निम्नलिखित प्राप्ति एवं भुगतान खाता सूरत क्लब का 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए हैः–

Receipts	₹	***Payments***	₹
To Cash at Bank	14,000	By Salaries	2,500
To Subsription	52,500	By Printing and Stationery	1,500
To Annual Day Receipts	27,000	By Annual Day Expenses	2,000
To Mushaira Receipts	23,000	By Mushaira Expenses	11,000
To Dividend on Shares	2,000	By Telephone Charges	2,500
		By Sundry Expenses	2,500
		By Shares Purchased	77,000
		By Postage and Telegrams	2,200
		By Building Maintenance	6,540
		By Cash at Bank	10,760
	1,18,500		1,18,500

निम्नलिखित अतिरिक्त सूचना दी गई है–

(1) 1 अप्रेल, 2009 को क्लब के भवन का मूल्य 50,000 ₹ है। मूल्य ह्रास 5 प्रतिशत की दर से देना है।

(2) क्लब के 200 सदस्य हैं जो 250 ₹ वार्षिक प्रति सदस्य की दर से चन्दा देते हैं।

(3) 1 अप्रेल, 2009 को कोई चन्दा अग्रिम प्राप्त नहीं हुआ है किन्तु 1,000 ₹ बकाया है। 31 मार्च, 2010 को 1,500 ₹ का चन्दा बकाया है।

(4) वर्ष के प्रारम्भ में 350 ₹ के पोस्टेज एवं स्टाम्प सचिव के पास थे एवं अन्त में 100 ₹ के स्टाम्प थे।

(5) वर्ष के प्रारम्भ में अंशों में 7,000 का विनियोग था।

(6) वार्षिक दिवस के सम्बन्ध में प्राप्ति के 200 ₹ अभी प्राप्त करने हैं।

(7) 3,000 ₹ थियेटर का किराया अभी भी देना बाकी है जहाँ मुशायरा हुआ था।

(8) 250 ₹ टेलीफोन किराया अग्रिम चुकाया गया है।

आपको 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए आय–व्यय खाता तथा 1 अप्रेल 2009 व 31 मार्च 2010 का चिट्‌ठा तैयार करना है।

(Adapted CAIIB)(संशोधित)

हल (Solution) :

Income and Expenditure Account of Surat Club
for the year ended 31st March 2010

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
To Salaries	2,500	By Subscription (200X250)	50,000
To Printing & Stationery	1,500	By Annual Day Recipts 27,000	
To Telephone Charges 2,500		Less:- Expenses 2,000	
Less:- Prepaid 250	2,250	25,000	
To Sundry Charges	2,500	Add:- Accrued Receipts 200	25,200
To Building Maintenance	6,540	By Mushaira 23,000	
To Depreciation on Building	2,500	Less:- Expenses 11,000	
To Postage & Telegrams 2,200		12,000	
Add:- Opening Balance 350		Less:- Outstanding Exp. 3,000	9,000
2,550		By Dividend on Shares	2,000
Less:- Closing Balance 100	2,450		
To Excess of Income over Expenditure	65,960		
	86,200		86,200

Balance Sheet of Surat Club
as on 01-04-2009

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital Fund (Balancing Figure)	72,350	Cash	14,000
		Building	50,000
		Stamps	350
		Shares	7,000
		Outstanding Subscriptions	1,000
	72,350		72,350

Balance Sheet of Surat Club
as on 31st March, 2010

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
₹		₹	
Capital Fund 72,350		Buildings 50,000	
Add:- Surplus 65,960	1,38,310	Less:- Dep 2,500	47,500
Subscriptions in Advance	3,000	Shares 7,000	
Outstanding Rent of Theatre	3,000	Add:- New Purchases 77,000	84,000
		Cash	10,760

		Stamps Accrued Subscriptions Annual Day Receipts due Prepaid Telephone Exps.	100 1,500 200 250
	1,44,310		1,44,310

उदाहरण (Illustration) 15 :-

नीचे एक क्लब का 31 दिसम्बर, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा आय–व्यय खाता दिया गया है :

Receipts and Payments Account of A Club
for the year ended 31st December, 2010

Receipts	*Amount* ₹	*Payments*	*Amount* ₹
To Opening Balance	40,000	By Salaries	72,000
To Endowments	20,000	By Provisions	68,000
To Subscriptions	1,02,000	By Printing and Stationery	7,000
To Entrance Fees	8,000	By Bank	10,000
To Donations for Books	13,000	By Sports Materials	28,000
To Entertainments	40,000	By Creditors (2009)	13,000
To Sale of old Furniture		By Investments	
(Book Value Rs. 8,000)	7,000	Purchased on 1st July 2009	
		@ 4% Rs. 96	19,200
		By Balance C/d	12,800
	2,30,000		2,30,000

Income and Expenditure Account of A Club
for the year ended 31st December 2010

Expenditure	**Amount** ₹	**Income**	**Amount** ₹
To Loss on sale of Furniture	1,000	By Subscriptions	1,00,000
To Salaries	77,000	By Entrance Fees	4,000
To Audit Fees	3,000	By Interest on Investments	
To Provisions	60,000	@ 4% on Rs. 20,000	800
To Printings & Stationery	7,500	By Entertainments	40,000
To Sports Materials	20,000	By Excess of Expenditure	
		over Income	23,700
	1,68,500		1,68,500

1 जनवरी 2010 तथा 31 दिसम्बर 2010 को चिट्ठा तैयार कीजिए।

(Adapted : C.A. I.I.B.) (संशोधित)

हल (Solution) :

Balance Sheet
as on 1st January, 2010

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	13,000	Cash	40,000
Creditors for Investments	19,200	Furniture	8,000
Capital Fund		Investments	19,200
(Balancing Figure)	35,000		
	67,200		67,200

Balance Sheet
as on 31st December, 2010

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
	₹			₹	
Capital Fund	35,000		Investments		19,200
Less:- Excess of Expenditure			Bank		10,000
Over Income	23,700		Stock (Sports Materials)		8,000
Add Entrance Fees	4,000		Cash in Hand		12,800
Endowment		15,300	Stock of Provisions		8,000
Donations		20,000	Accrued Interest on Investments		800
Outstanding Exps :		13,000			
Salaries	5,000				
Printing & St.	500				
Audit Fees	3,000				
Subscriptions in Advance		8,500			
		2,000			
		58,800			58,800

उदाहरण (Illustration) 16 :-

पब्लिक लाईब्रेरी का 1 अप्रेल 2010 को चिट्ठा इस प्रकार था :

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Outstandings Creditors		Cash at Bank	40,000
for expenses	7,000	Sundry Debtors for	
Creditors on Open Accounts	43,000	Subscriptions	10,000
Capital Fund Accumulated by		Add outstanding	
Excess Of Income Over		For use of Lecture Hall	4,000
Expenditure	7,00,000	Investment in 5% Government	
		Loan	60,000

		Library Books	2,00,000
		Furniture & Fittings	35,000
		Building	4,00,000
		Prepaid Insurance	1,000
	7,50,000		7,50,000

31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए रोकडी लेनदेन इस प्रकार थे :

Particulars	₹	***Particulars***	₹
To Bank Balance (1-4-2009)	40,000	By Payment to Creditors on	
To Entrance Fees	12,000	Open Accounts	43,000
To Subscriptions	1,25,000	By Addition to Library Books	14,000
To Proceeds from Lectures		By Electric Lighting & Power	3,000
and Entertainments	45,000	By Municipal Taxes	11,000
To Rent Received form		By Repairs to Buildings	8,000
use of Hall	15,000	By Insurance	3,500
To Interest on Investments	2,000	By Electric Installation	20,000
To sale of old Newspapers	4,500	By Payments to outstanding	
To Sale of old Furniture	1,000	Creditors of last year	7,000
		By Printing & stationery	5,000
		By Sundry Expenses	2,500
		By Postage	4,500
		By Subscriptions to Periodicals	14,000
		By Cost of Investments bought	30,000
		By Salaries	36,000
		By Bank	
		(Balance 31-3-2010)	43,000
	2,44,500		2,44,500

अतिरिक्त सूचनाएँ :–

(i) अग्रिम बीमा व्यय 750 ₹।

(ii) बकाया चन्दा 18,000 रुपये।

(iii) Lecture Hall का किराया उपार्जित 2,500 ₹।

(iv) विनियोगों पर ब्याज उपार्जित 3,000 ₹।

(v) नयी स्टील आलमारियों के लेनदारों के बकाया 17,500 ₹।

(vi) वेतन बकाया 5,000 ₹।

(vii) स्टेशनरी के बकाया 750 ₹।

(viii) प्रवेश शुल्क को पूँजीकृत कीजिए।

आपको 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय–व्यय खाता एवं चिट्ठा 2 प्रतिशत मूल्य ह्रास भवन पर, 5 प्रतिशत विद्युत संस्थापन एवं फर्नीचर पर तथा 10 प्रतिशत लाईब्रेरी पुस्तकों पर देते हुए तैयार करना है। मूल्य ह्रास की गणना प्रश्न में दी गई सम्पत्तियों के प्रारम्भिक शेषों पर करनी है।

(Adapted : C.A. I.I.B.) (संशोधित)

हल (Solution) :

Income and Expenditure Account
for the year ended 31st March, 2010

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
To Electric Lighting and Power	3,000	By Subscriptions 1,25,000	
To Municipal Taxes	11,000	Less:- Due Last year 10,000	
To Insurance 3,500		1,15,000	
Add:-Prepaid on1-4-2009 1,000		Add:- Outstanding for	
4,500		the year 18,000	1,33,000
Less:- Prepaid on 31-03-2010 750	3,750	By Rent of Hall 15,000	
To Printing & Stationery 5,000		Less:- Due for last year 4,000	
Add:- Outstanding 750	5,750	11,000	
To Sundry Expenses	2,500	Add:- Accrued for	
To Repairs to Building	8,000	this year 2,500	13,500
To Postage	4,500	By Proceeds form Lectures	45,000
To Subscription of Periodicals	14,000	By Interest on Investments 2,000	
To Salaries 36,000		Add:- Int. Accrued 3,000	5,000
Add :- Outstandings 5,000	41,000	By Sale of old Newspapers	4,500
To Depreciation :		By Sale of Old Furniture	
on Building @ 2% 8,000		(Assumed as Scrap)	1,000
on Furniture @ 5% 1,750			
on Library books @ 10% 20,000	29,750		
To Surplus of Income			
Over Expenditure	78,750		
	2,02,000		2,02,000

Balance Sheet
as on 31st March, 2010

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
₹	₹	₹	Rs.
Capital Fund 7,00,000		Building 4,00,000	
Add:- Surplus of Income	7,78,750	Less:- Dep. @ 2% 8,000	3,92,000
over Expenditure 78,750		Furniture and Fittings 35,000	
Creditors for Purchases	17,500	Add:- Creditors for	
of new Shelves		new Purchaes 17,500	
Entrance Fees	12,000	52,500	
Outstanding Salaries	5,000	Less:- Dep. to Rs.	
Outstanding Stationery	750	35,000 @ 5% 1,750	50,750

		Library Books 2,00,000	
		Add:- Purchases 14,000	
		2,14,000	1,94,000
		Less:- Dep. @ 10% 20,000	20,000
		Electric Installation	
		Investments 60,000	
		Add:- Purchases 30,000	
		90,000	
		Add:- Accrued Interest 3,000	93,000
		Cash at Bank	43,000
		Prepaid Insurance	750
		Accrued Subscriptions	18,000
		Accrued Hall rent	2,500
	8,14,000		8,14,000

उदाहरण (Illustration) 17 :-

एक क्रिकेट क्लब के नीचे दिये गये प्राप्ति एवं भुगतान खाते एवं दी गई अतिरिक्त सूचनाओं से 31 दिसम्बर, 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय–व्यय खाता एवं चिट्ठा तैयार कीजिए।

Receipts and Payments Account
for the year ended 31st December, 2010

Receipts	***Amount*** ₹	***Payments***	***Amount*** ₹
To Balance :		By Crockery Purchased	265
Cash 352		By Maintenance	682
Bank 2,738		By Match Expenses	1,324
Fixed Deposit		By Salaries	1,100
at 6% 3,000	6,090	By Conveyance	82
To Membership Subscription		By Upkeep of Lawn	424
(Including ₹ 600 for 2009)	4,000	By Postage Stamps	105
To Entrance Fees	275	by Purchase of Cricket goods	972
To Donation	501	By Sundry Expenses	200
To Interest on Fixed Deposit	90	By Investments	570
To Tournament Fund	2,000	By Tourrnament Expenses	1,880
To Sale of Crockery		By Balance: Cash 220	
(Book Value ₹ 120)	200	Bank 2,332	
		Fixed Deposit 3,000	5,552
	13,156		13,156

अतिरिक्त सूचनाएँ :–

(अ) मासिक वेतन 100 ₹ है।

(ब) पोस्टेज एवं स्टाम्प का शेष 31–12–2009 को 75 ₹, 31–12–2010 को 90 ₹
(स) क्रिकेट उपकरणों (Cricket Goods) का शेष 31–12–2009 को 321 ₹,31–12–2010 को 280 ₹
(द) बकाया चन्दा 2009 का 660 ₹, 2010 का 800 ₹।
(य) प्रवेश शुल्क व दान को पूँजीकृत नहीं करना है।

हल (Solution) :

Income and Expenditure Account
for the year ended 31st December, 2010

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To Maintenance		682	By Subscriptions	4,000	
To Match Expenses		1,324	Less:- O/s in the beg.	600	
To Salaries	1,100			3,400	
Add:- O/s at the end	100	1,200	Add:- O/s at the end	800	4,200
To Conveyance		82	By Entrance Fees		275
To Upkeep of Lawn		424	By Donations		501
To Postage Stamps	105		By Interest of F.D.	90	
Add:- Opening Stock	75		Add:- Accrued	90	180
	180		By Profit on Sale of Crockery		80
Less:- Closing Stock	90	90			
To Cricket goods	972				
Add:- Opening Stock	321				
	1,293				
Less:- Closing Stock	280	1,013			
To Sundry Expenses		200			
To Surplus		221			
		5,236			5,236

Balance Sheet
as on 31st December, 2010

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Salaries Outstanding		100	Cash in Hand		220
Tournament Fund	2,000		Cash in Bank		2,332
Less:- Expenses	1,880	120	Fixed Deposit		3,000
Capital Fund	7,266		Crockery		265
Add:- Surplus	221	7,487	Investments		570
			Postage Stamps		90
			Stock of Cricket Goods		280
			Subscription Due:		
			2009	60	
			2010	800	860
			Accured Interest on Fixed		90

	7,707	Deposit	7,707

कार्यशील टिप्पणी :–

प्रारम्भिक पूँजीकोष की गणना :–

Balance Sheet
as on 31st December, 2009

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital Fund (Balancing Figure)	7,266	Cash	352
		Bank	2,738
		Fixed Deposit	3,000
		Subscription Due	660
		Postage Stamps	75
		Cricket Equipment	321
		Crockery	120
	7,266		7,266

2. यह माना गया है कि स्थायी जमा को 01.01.2010 को पुनः विनियोजित किया गया है।

उदाहरण (Illustration) 18 :-

श्री गणेश चेरीटेबल ओषधालय से सम्बन्धित नीचे दिये गये विवरण से 31 दिसम्बर 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय–व्यय खाता व उसी तिथि का चिट्ठा तैयार कीजिए।

Receipts and Payments Account
for the year ended 31st December, 2010

Receipts	₹	*Payments*	₹
To Cash in Hand on 1st January, 2010	7,130	By Medicines	30,590
To Subscription	47,996	By Doctor's Honorarium	9,000
To Donations	14,500	By Salaries	27,500
To Interest on Investments @ 7% for full year	7,000	By Petty Expenses	461
To Proceeds from Charity show	10,450	By Equipments	15,000
		By Expenses on Cherity show	750
		By Cash in hand on 31st December, 2010	3,775
	87,076		87,076

	On 1st Jan. 2010 ₹	On 31st Dec. 2010 ₹
(a) Subscriptions Due (बकाया चन्दा)	240	280
(b) Subscriptions Received in advance (अग्रिम)	64	100

(C) Stock of Medicines	8,810	9,740
(d) Estimated Value of Equipments (अनुमानित मूल्य)	21,200	31,600
(e) Building (भवन) (Cost less depreciation)	40,000	38,000

हल (Solution) :

Income and Expenditure Account
for the year ended 31st Dec. 2010

Expenditure	₹	Income		₹
To Medicines	29,660	By Subscriptions Received	47,996	
To Doctors Honorarium	9,000	Add:- O/s at end	280	
To Salaries	27,500	Add:- Advance in the beg.	64	
To Petty Expeses	461		48,340	
To Depreciation on Equipments	4,600	Less:- O/s in the beg.	240	
			48,100	
To Expenses on Charity Show	750	Less:- Advance at the end	100	48,000
		By Donations		14,500
To Depreciation on Building	2,000	By Interest on Investments		7,000
To Surplus	5,979	By Charity Show		10,450
	79,950			79,950

Balance Sheet
as on 31st December, 2010

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Subsriptions Recd. in Advance		100	Cash in Hand	3,775
Capital Fund :			Stock of Medicines	9,740
Opening Balance	1,77,316		Subscriptions Due	280
Add:- Surplus	5,979	1,83,295	Investments	1,00,000
			Equipments	31,600
			Buildings	38,000
		1,83,395		1,83,395

कार्यशील टिप्पणी :– 1 जनवरी 2010 को प्रारम्भिक पूँजीकोष की गणना :–

Balance Sheet
as on 1st January, 2010

Liabilities	₹	Assets	₹
Subscriptions Recd. in Advance	64	Cash in Hand	7,130
Capital Fund (Balancing figure)	1,77,316	Stock of Medicines	8,810

		Investments	1,00,000
		Equipments	2,1200
		Buildings	40,000
		Subscriptions Due	240
	1,77,380		1,77,380

कोष आधारित लेखांकन
(FUND BASED ACCOUNTING)

अलाभकारी संस्थाओं में अपनाई जाने वाली एक ऐसी लेखांकन पद्धति जिसके अन्तर्गत विशेष कार्यों हेतु प्राप्त कोष (सरकार, दानदाताओं से) या विशेष उद्देश्यों हेतु बनाये गये कोष का लेखांकन इस प्रकार करना जिससे प्रत्येक कोष की स्थिति अलग–अलग ज्ञात की जा सकें। कोष आधारित लेखांकन कहलाती है।

इस लेखांकन पद्धति के सम्बन्ध में निम्न नियमों को ध्यान में रखना चाहिये :–

1. इस पद्धति के अन्तर्गत प्रत्येक कोष के लिए अलग–अलग वित्तीय विवरण तैयार किये जाते हैं। तत्पश्चात् अलाभकारी संस्था का सामूहिक विवरण पत्र तैयार किया जाता है। सारांश रूप में निम्न वित्तीय विवरण तैयार किये जाते हैं :–
   (अ) प्रत्येक कोष का आय–व्यय विवरण।
   (ब) प्रत्येक कोष में होने वाले परिवर्तनों को दर्शाने वाला विवरण।
   (स) प्रत्येक कोष का स्थिति विवरण।
   (द) सम्पूर्ण कोषों को शामिल करते हुए अलाभकारी संस्था का स्थिति विवरण।
2. कोष को उद्देश्यानुसार दो भागों में वर्गीकृत किया जाता है।
   (अ) आयगत कोष (Revenue Fund)
   (ब) विशिष्ट कोष (Specific Fund)
3. यदि विशिष्ट कोष की राशि को विनियोजित करने से ब्याज या लाभांश प्राप्त होता है तो इस आय को सम्बन्धित विशिष्ट कोष में जोड कर दिखाया जाता है। अर्थात् इस आय को आय–व्यय खाते में नहीं दिखाया जाता है।
4. यदि विशिष्ट कोष से सम्बन्धित व्यय का भुगतान किया जाता है तो इस व्यय की राशि को सम्बन्धित विशिष्ट कोष में से घटाकर दिखाया जाता है। अर्थात् आय–व्यय खाते में इस व्यय की राशि को नहीं लिखा जाता है।
   इस पुस्तक में कोष आधारित प्रश्नों को हल करते समय सम्बन्धित समायोजन अलाभकारी संस्था के स्थिति विवरण में अतिरिक्त रूप से दर्शाये गये हैं। प्रत्येक कोष के लिए अलग–अलग विवरण नहीं बनाये गये हैं। यदि अलग स्थिति विवरण बनाया जावे तो वह निम्न उदाहरण के अनुसार होगा :–

उदाहरण (Illustration) 19 :-

जनता क्लब के तलपट मे निम्न मदें दर्शायी गयी हैं :–

Trial Balance

	Debits ₹	Credits ₹
Prize Fund	-----	5,000

Prize Fund Investments	5,000	------
Income from Prize Fund Investments	-----	600
Prize Awarded	400	------

हल (Solution) :

Balance Sheet
as on …………………

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Prize Fund	5,000		Prize Fund Investments	5,000
Add:- Income from Investments	600			
	5,600			
Less:- Prize Given	400	5,200		

कार्यशील टिप्पणी :– सम्बन्धित कोष की आय व व्यय की राशि को आय–व्यय खाते में न दर्शा कर स्थिति विवरण में ही दर्शाया गया है।

उदाहरण (Illustration) 20 :-

आदर्श पब्लिक स्कूल अजमेर का 31 मार्च, 2010 का तलपट निम्न प्रकार है:–

Debit Balances	₹	Credit Balances	₹
Land	50,000	Capital Fund	15,60,000
School Building	15,00,000	Tution Fees Received	25,10,000
Furniture	3,00,000	Salaries Payable	1,75,000
Salaries :		Prize Fund	2,00,000
Teaching Staff	12,00,000	Tournament Fund	3,00,000
Adm. Staff	2,60,000	General Reserves Fund	2,00,000
Investments	7,00,000	Interest received on Fund	
Stationery, Postage	1,73,000	Investments	77,000
Lighting	36,000	Donations (For School Hall)	1,50,000
General Expenses	65,000		
Prizes awarded	20,000		
Tournament Expenses	30,000		
Library Books	3,75,000		
Bank Balance	4,63,000		
	51,72,000		51,72,000

मूल्य ह्रास निम्न प्रकार लगाया जाता है :– भवन पर 2 प्रतिशत, फर्नीचर पर 10 प्रतिशत और पुस्तकालय पुस्तकों पर 20 प्रतिशत। सभी कोषों का विनियोग एक साथ किया गया है। 31 मार्च, 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय–व्यय खाता एवं चिट्ठा तैयार कीजिए।

हल (Solution) :

Income and Expenditure Account
for the year ended 31st March, 2010

Expenditure	₹	Income	₹
To Salaries :		By Interest on Investments	22,000
Teaching Staff 12,00,000		(₹ 77,000 X ₹2,00,000/	
Adm. Staff 2,60,000	14,60,000	₹ 7,00,000)	
To Stationery Postage	1,73,000	By Tution Fee	25,10,000
To Lighting	36,000		
To General Expenses	65,000		
To Depreciation :			
Building 30,000			
Furniture 30,000			
Library Books 75,000	1,35,000		
To Surplus	6,63,000		
	25,32,000		25,32,000

Balance Sheet
as on 31st March, 2010

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital Fund : 15,60,000		**Fixed Assets :**	
Add:- Surplus 6,63,000	22,23,000	Land	50,000
General Reserves Fund	2,00,000	School Building 15,00,000	
Tournament Fund :		Less:- Depreciation 30,000	14,70,000
Opening Balance 3,00,000		Furniture 3,00,000	
Add:- Interest on TFI		Less:- Depreciation 30,000	2,70,000
(₹ 77,000 X ₹ 3,00,000/		Library Books 3,75,000	
₹ 7,00,000) 33,000		Less:- Depreciation 75,000	3,00,000
Less:- Tour. Exp. 30,000	3,03,000	**Investments :**	
Prize Fund :		Tournament Fund	
Opening Balance 2,00,000		Investments 3,00,000	
Add:- Interest on PFI		Prize Fund Investments	
(₹ 77,000 X ₹ 2,00,000/		2,00,000	
₹ 7,00,000) 22,000		General Reserve Fund	
Less:- Cost of Prizes		Investments 2,00,000	7,00,000
awarded 20,000	2,02,000	**Current Assets :**	
To donation for School Hall	1,50,000	Bank Balance	4,63,000

	1,75,000		
Current Liabilities: Salaries Payable	32,53,000		32,53,000

कार्यशील टिप्पणी :–

1. TFI = टूर्नामेन्ट फण्ड विनियोग
2. PFI = प्राईज फण्ड विनियोग

अभ्यास प्रश्न

बहुचयनात्मक प्रश्न Multiple Choice Questions :

1. आय–व्यय खाता है :–
   (अ) एक वास्तविक खाता (ब) एक व्यक्तिगत खाता
   (स) नाम मात्र खाता (द) उपर्युक्त सभी

2. प्राप्ति एवं भुगतान खाते में प्राप्ति एवं भुगतान दर्शाये जाते हैं :–
   (अ) केवल पूँजीगत प्रकृति की प्राप्ति एवं भुगतान
   (ब) केवल आयगत प्रकृति की प्राप्ति एवं भुगतान
   (स) पूँजीगत एवं आयगत प्रकृति की प्राप्ति एवं भुगतान
   (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. आय–व्यय खाता बनाया जाता है :–
   (अ) अलाभकारी संस्थाओं द्वारा (ब) व्यापारिक संस्थाओं द्वारा
   (स) निर्माणी संस्थाओं द्वारा (द) उपर्युक्त सभी के द्वारा

4. आय–व्यय खाता किसी निश्चित अवधि के पश्चात् प्रदर्शित करता है :–
   (अ) लाभ / हानि (ब) आधिक्य / न्यूनता
   (स) रोकड शेष (द) उपर्युक्त सभी

5. चालू वर्ष के आय–व्यय खाते एवं चिट्ठे दोनों में दिखाई जाने वाली मद है :–
   (अ) चालू वर्ष का चन्दा (ब) गत वर्ष में चालू वर्ष का प्राप्त चन्दा
   (स) चालू वर्ष का बकाया चन्दा (द) चालू वर्ष में अग्रिम प्राप्त चन्दा

6. एक क्लब ने भवन निर्माण हेतु चन्दे के 1,00,000 ₹ दान के एकत्रित किये। क्लब की पुस्तकों में भवन निर्माण हेतु दान की राशि को दिखाया जावेगा :–
   (अ) आय–व्यय खाते के डेबिट पक्ष में। (ब) आय–व्यय खाते के क्रेडिट पक्ष में।
   (स) चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में। (द) चिट्ठे के दायित्व पक्ष में।

7. प्राप्ति एवं भुगतान खाते की प्रकृति है :–

(अ) व्यक्तिगत खाता (ब) वस्तुगत खाता

(स) नाम–मात्र खाता (द) सभी

8. प्राप्ति एवं भुगतान खाता प्रदर्शित करता है :–

(अ) आय तथा व्यय (ब) बचत तथा घाटा

(स) लाभ तथा हानि (द) नकद प्राप्तियाँ एवं भुगतान

9. चालू वर्ष में प्राप्त अग्रिम चन्दा है :–

(अ) आय (ब) दायित्व

(स) व्यय (द) सम्पत्ति

10. अजय क्लब की वर्ष के अन्त में सम्पत्तियाँ 19,000 ₹ थीं, दायित्व 5,000 ₹ एवं आय–व्यय खाते का डेबिट शेष 1,800 ₹ था। प्रारम्भिक पूँजीकोष होगा :–

(अ) 18,000 ₹ (ब) 15,800 ₹

(स) 11,200 ₹ (द) 24,800 ₹

11. प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दिखाई जाने वाली मद है :–

(अ) मूल्य ह्रास (ब) बकाया चन्दा

(स) अदत्त वेतन (द) आजीवन सदस्यता शुल्क

12. एक क्लब की पुस्तकों में वर्ष के प्रारम्भ में वेतन के 2,000 ₹ और वर्ष के अन्त में 5,000 ₹ बकाया थे। वेतन के लिए वर्ष में चुकाई गयी राशि 20,000 ₹ थी। आय–व्यय खाते में वेतन मद में दिखाई जाने वाली राशि होगी :–

(अ) 23,000 ₹ (ब) 20,000 ₹

(स) 17,000 ₹ (द) 13,000 ₹

13. एक अलाभकारी संस्था के प्रांप्ति एवं भुगतान खाते में न दिखाई जाने वाली मद है :–

(अ) चालू वर्ष का बकाया वेतन (ब) आगामी वर्ष के लिए प्राप्त पेशगी चन्दा

(स) आगामी वर्ष के लिए पूर्वदत्त किराया(द) गत वर्ष के बकाया वेतन का भुगतान

14. सामान्यतया अनुरिक्थ (Legacy) को दर्शाया जाता है :–

(अ) पूँजीकृत कर चिट्ठे में (ब) आय मानकर

(स) व्यय मानकर (द) उपर्युक्त सभी

15. मद जिसे प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दिखाया जाता है लेकिन आय–व्यय खाते में नहीं :–

(अ) चन्दा (ब) वेतन

(स) दान (द) अग्रिम चन्दा

उत्तर :–

1. (स), 2. (स), 3. (अ), 4. (ब), 5. (स), 6. (द), 7. (ब), 8. (द), 9. (ब), 10. (ब), 11. (द), 12. (अ), 13. (अ), 14. (अ), 15. (द)

अति लघु–उत्तरात्मक प्रश्न Very Short Answer Type Questions :

1. अलाभकारी संस्थाएँ किसे कहते हैं ?
2. आय–व्यय खाते से क्या तात्पर्य हैं ?
3. प्राप्ति एवं भुगतान खाता क्या है ?
4. पूँजीकोष से क्या आशय है ?
5. क्या अलाभकारी संस्थायें व्यापारिक गतिविधियाँ करती हैं ?
6. कोष आधारित लेखांकन क्या है ?
7. एक क्लब के 500 सदस्य हैं तथा चन्दा प्रति सदस्य 100 ₹ वार्षिक हैं। वर्ष 2009–10 के अन्त में सदस्यों के चन्दे के 5,000 ₹ बकाया हैं। आय–व्यय खाते में चन्दे की मद में दिखाई जाने वाली राशि ज्ञात कीजिए।
   (उत्तर :– 50,000 ₹)।
8. ऐसी दो मदें बताइये जो प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दिखाई जाती हैं लेकिन आय–व्यय खाते में नहीं दिखाई जाती हैं।
9. एक क्लब के पास वर्ष 2009–10 के प्रारम्भ में स्टेशनरी का 1,000 ₹ का तथा अन्त में 1,400 ₹ का स्टॉक था। वर्ष 2009–10 में स्टेशनरी की मद के लिए 5,000 ₹ का भुगतान किया गया है। वर्ष 2009–10 के प्राप्ति एवं भुगतान खाते में स्टेशनरी की मद में दिखाई जाने वाली राशि होगी ?
   (उत्तर :– 5,000 ₹)
10. आय–व्यय खाते का क्रेडिट शेष वर्ष के अन्त में क्या प्रदर्शित करता है ?
11. एक क्लब का आय–व्यय खाता 2,000 ₹ बचत बताता है। इस खाते में अग्रिम वेतन के 400 रुपये तथा अनुपार्जित आय (Unearned Income) 1,200 ₹ का समायोजन नहीं किया गया है। समायोजन के पश्चात् इस खाते का शेष होगा।
   (उत्तर :– 1,200 ₹)
12. आजीवन सदस्यता चन्दे से आपका क्या आशय है ?
13. प्रवेश शुल्क क्या है ?
14. किन्हीं चार अलाभकारी संस्थाओं के नाम लिखें।
15. ऐसी दो मदें बताइये जो आय–व्यय खाते में दर्शायी जाती हैं, लेकिन प्राप्ति एवं भुगतान खाते में नहीं दिखाई जाती हैं।

लघु उत्तरात्मक प्रश्न Short Answer Type Questions :

1. अलाभकारी संस्था से आप क्या समझते हैं ? इन संस्थाओं की दो विशेषताएें बताइये।
2. आय–व्यय खाते एवं प्राप्ति एवं भुगतान खाते में अन्तर बताइये।
3. प्राप्ति एवं भुगतान खाते एवं रोकड खाते में अन्तर बताइये।
4. आय–व्यय खाते एवं लाभ–हानि खाते में अन्तर बताइये।
5. चन्दा व दान में अन्तर बताइये।

6. काल्पनिक आंकडों की सहायता से आय–व्यय खाते में चन्दे की राशि को प्रदर्शित कीजिए।
7. विशेष कोष से सम्बन्धित आय–व्यय समायोजन को समझाइये।
8. मॉडर्न शिक्षण संस्था की निम्न सूचनाओं द्वारा वर्ष 2010 के आय–व्यय खाते में स्टेशनरी व्यय के सम्बन्ध में दिखाई जाने वाली राशि ज्ञात कीजिए –

स्टेशनरी का प्रारम्भिक शेष	2,000 ₹
वर्ष 2010 में स्टेशनरी के लिए भुगतान	28,000 ₹
स्टेशनरी के लिए बकाया लेनदार (31.12.2010)	6,000 ₹
स्टेशनरी का अन्तिम शेष	4,000 ₹

(उत्तर :– 32,000 ₹)

9. निम्नलिखित सूचनाओ से 31 मार्च 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय–व्यय खाते में दिखाने हेतु वेतन की राशि की गणना कीजिए–

1 अप्रेल 2009 को बकाया वेतन	6,000 ₹
1 अप्रेल 2009 को अग्रिम चुकाया वेतन	4,000 ₹
वर्ष 2009–10 मे वेतन चुकाया	60,000 ₹
31 मार्च 2010 को बकाया वेतन	8,000 ₹
31 मार्च 2010 को अग्रिम चुकाया वेतन	3,000 ₹

(उत्तर :– 63,000 ₹)

10. एक क्लब की निम्न सूचनाओं से 1 जनवरी 2010 को प्रारम्भिक पूँजीकोष की राशि ज्ञात कीजिए–

भवन	10,000 ₹
फर्नीचर	1,200 ₹
नकद शेष	400 ₹
बैंक में स्थायी जमा	5,000 ₹
वर्ष का बकाया चन्दा	250 ₹
वर्ष का बकाया वेतन	150 ₹

(उत्तर :– 16,700 ₹)

11. दी गई सूचनाओं के द्वारा प्राप्ति एवं भुगतान खाते में दर्शायी जाने वाली चन्दे की राशि ज्ञात कीजिए–

चालू वर्ष का प्राप्त चन्दा	30,000 ₹
गत वर्ष में प्राप्त चालू वर्ष के लिए चन्दा	4,000 ₹
चालू वर्ष का बकाया चन्दा	6,000 ₹
चालू वर्ष में अग्रिम प्राप्त चन्दा	2,000 ₹
गत वर्ष का चन्दा चालू वर्ष में प्राप्त किया	10,000 ₹

(उत्तर :– 42,000 ₹)

12. अलाभकारी संस्थाओं द्वारा हिसाब किताब रखने हेतु रखी जाने वाली प्रमुख पुस्तकें कौन–कौन सी हैं ?
13. निम्नलिखित प्राप्ति एवं भुगतान खाते एवं अन्य सूचनाओं से 31 मार्च 2010 को समाप्त हुए वर्ष का आय–व्यय खाता बनाइये।

Receipts and Payments Account
for the year ended 31st March, 2010

Receipts	₹	*Payments*	₹
To Balance b/d	40,000	By Salaries	60,000
To Subscriptions	1,20,000	By Books	10,000
To Furniture	18,000	By Balance c/d	1,08,000
	1,78,000		1,78,000

अन्य सूचनाऐं :–

(अ) 01.04.09 को बकाया चन्दा 6,000 ₹ तथा अग्रिम प्राप्त चन्दा 1,000 ₹ ।

(ब) 31.03.10 को बकाया चन्दा 8,000 ₹ तथा अग्रिम प्राप्त चन्दा 2,000 ₹ ।

(स) फर्नीचर के बेचने से हानि 2,000 ₹।

(द) 01.04.09 को बकाया वेतन 4,000 ₹ तथा 31.03.10 को बकाया वेतन 5,000 ₹ ।

(उत्तर :– आधिक्य 58,000 ₹)

14. राहुल मनोरंजन क्लब की निम्न सूचनाओं से प्राप्ति एवं भुगतान खाता बनाइये :–

प्रारम्भिक रोकड शेष	10,000 ₹
चन्दा प्राप्त किया गत वर्ष का	600 ₹
चालू वर्ष का प्राप्त चन्दा	12,400 ₹
आगामी वर्ष का प्राप्त चन्दा	1,000 ₹
वेतन चुकाया (इसमें 1,000 रुपये गत वर्ष के शामिल हैं)	4,000 ₹
फर्नीचर रोकडी खरीदा	3,000 ₹
मशीन उधार बेची	2,000 ₹
चालू वर्ष का बकाया चन्दा	1,000 ₹
वर्ष के अन्त में बकाया वेतन	1,600 ₹
प्रवेश शुल्क प्राप्त किया	2,200 ₹
बैंक अधिविकर्ष पर देय ब्याज	300 ₹

(उत्तर :– 19,200 ₹)

15. एक क्लब की निम्न दी गई सूचनाओं से आय–व्यय खाते में दिखाई जाने वाली चन्दे की राशि ज्ञात कीजिए :–

	1.1.2010 ₹	31.12.2010 ₹
चन्दा बकाया	4,500	12,500
चन्दा पेशगी प्राप्त किया	5,000	6,000
चन्दा प्राप्त किया	–––	1,00,000

(उत्तर :– 1,07,000 ₹)

निबन्धात्मक प्रश्न (Essay Type Questions) :-

1. अलाभकारी संस्थाओं से आपका क्या आशय है ? इन संस्थाओं से सम्बन्धित लेखांकन प्रक्रिया को समझाइये।

2. आय–व्यय खाता क्या है ? आय–व्यय खाता तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाते में अन्तर बताइये।
3. प्राप्ति एवं भुगतान खाता क्या है ? प्राप्ति एवं भुगतान खाते से आय–व्यय खाता तैयार करने की विधि समझाइये।
4. पूँजीकोष क्या है ? इसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है ? काल्पनिक आँकडों की सहायता से समझाइये।
5. कोष आधारित लेखांकन पद्धति को सविस्तार समझाइये।

व्यवहारिक प्रश्न Numerical Questions :

1. लोहागढ क्लब भरतपुर के नीचे लिखे रोकड बही सारांश से 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान खाता बनाइये :–
हस्तस्थ रोकड (01.04.2009) 14,000 ₹

Entrance Fees	1,400	Telephone Charges	250
Subscription	12,000	Electricity Charges	170
Donation	1,200	Estabilishment Expenses	
Interest	150	(including Rs. 500 for 2008-09)	2,000
Proceeds from Test Match	900	Stamps & Stationery	200
		Travelling Expenses	140
		Purchase of Balls	2,500
		Rent Paid	1,000
		Purchase of Bats & Nets	1,600
		Investments made	5,000

(उत्तर :– अन्तिम रोकड शेष 16,790 ₹)

2. ज्योति धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय जोधपुर की निम्न सूचनाओं से 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता बनाइये :–

	₹		₹
Opening Balance :	500	Furniture Purchased	3,100
Cash	8,000	Salaries	40,000
Bank	1,80,000	Investments Purchased	500
Government Securities Sold	1,25,000	Diet Expenses	12,000
Subscriptions	4,000	Surgical Instruments Purchased	41,000
Interest	20,000	Rent and Taxes	30,500
Donations	300	Insurance Premium	9,700
Miscellaneous Receipts		Miscellaneous Expenses	1,100
		Government Securities Purchased	1,80,000
		Closing Balance : Cash	700

(उत्तर :– अन्तिम बैंक शेष 19,200 ₹)

3. मोहनलाल अग्रवाल मेमोरियल क्लब जयपुर की निम्नलिखित सूचनाओं से 31 दिसम्बर 2010 को समाप्त वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान खाता तैयार कीजिए –

	₹		₹
Cash as at 1.1.2010	2,050	Sale of Old newspapers	90
Subscription received (including Rs. 80 for 2009 and Rs. 120 for 2011)	4,300	Sale of Old Bats etc.	100
Upkeep of fields	440	12% General Investments (made on 1.8.2010)	1,000
Admission Fees	80	12% Tournament Fund Investments (made on 1.8.2010)	3,000
Salaries	1,200	Tournament Expenses	2,400
Drama Expenses	900	Sale of Old Furniture (Cost for Rs. 200)	120
Life Membership Subscription	200	Bats and Balls purchased	1,400
Purchase of Newspapers	300	Proceeds of drama tickets	1,900
Purchase of Books	200	Interest on 12% General Investments	25
Donations received (on 1.8.2010)	1,000	Interest on 12% Tournament Fund Investments	75
Subscriptions for Tournament received (on 1.8.2010)	3,000	Printing & Stationery Purchased	200
Municipal Taxes Paid	80	Furniture Purchased	500
Charity given	700	Subscription received for Governor's Party	6,900

(उत्तर :– अन्तिम शेष 7,520 रुपये)

4. एक क्लब की निम्न सूचनाओं के द्वारा 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष का आय–व्यय खाता बनाइये :–

Receipts	₹	***Payments***	₹
To Opening Balance	3,600	By Salaries	9,600
To Subscriptions	18,000	By Rent	1,000
To Sale of Investments	4,000	By Stationery	400
To Sale of old furniture		By Defence Bonds	6,000
(Book Value Rs. 800)	600	By Furniture Purchased	4,000
To Donations	200	By Bicycle Purchased	600
		By Balance c/d	4,800
	26,400		26,400

(उत्तर :– आधिक्य 7,000 ₹)

5. सूर्यनगरी क्लब जोधपुर की निम्न सूचनाओं से 31 दिसम्बर 2010 को समाप्त वर्ष का आय–व्यय खाता बनाइये :–

Receipts	₹	*Payments*	₹
To Donations	12,000	By Rent	
To Subscriptions		(Includes ₹ 500 for 2009)	9,000
(Includes ₹ 1,250 for 2009)	7,250	By Salaries	11,500
To Tournament Receipts	25,000	By Furniture	2,600
To Bank Interest	2,300	By Tournament Expenses	20,000
To Dinner receipts	8,450	By Telephone	
		(Includes ₹ 400 for 2009)	1,900
		By Bank Balance	6,500
		By Cash Balance	3,500
	55,000		55,000

(उत्तर :– आधिक्य 12,250 ₹)

टिप्पणी :– दान को आयगत प्रकृति का माना गया है।

6. ब्यावर क्रीडा क्लब की निम्नलिखित रोकड सारांश से 31 दिसम्बर 2010 का आय–व्यय खाता तैयार कीजिए :–

Cash Summary

Particulars	₹	*Particulars*	₹
To Balance b/d	1,920	By Salary	3,980
To Entrance Fees	400	By Maintenance of Grounds	
To Subscriptions		(Including ₹ 60 of 2009)	1,920
(Including ₹ 100 for 2009)	7,960	By Wages	
To Proceeds of Test Match	1,200	(including ₹ 30 for 2009)	1,680
To Interest on Investment		By Ground Rent	120
(Including ₹ 20 for 2009)	400	By Printing & Postage	144
		By Repairs	160
		By Balance c/d	3,876
	11,880		11,880

(उत्तर :– आधिक्य 1,926 ₹)

7- रोहित क्लब के निम्न प्राप्ति एवं भुगतान खाते से 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष का आय–व्यय खाता बनाइये।

Receipts & Payments Account
for the year ending on 31.03.2010

Receipts	₹	*Payments*	₹
To Balance b/d	6,000	By Seeds and fertilisers distributed	11,600
To Club Subsrciption for		By Printing and Stationery etc.	1,500

2007-08 50		By Rent (of 11 months)	3,300
2008-09 2,000		By Conveyance	2,600
2009-10 11,000		By Tree Plantation and	
2010-11 950	14,000	hedges-fields trips	9,400
To Ecology Fund	25,000	By Ecology Fund Investments	25,000
To Donation for revenue		By Balance c/d	8,000
Expenditure	16,000		
To miscellaneous Receipts	400		
	61,400		61,400

क्लब के 120 सदस्य हैं। प्रति सदस्य सदस्यता शुल्क 100 ₹ वार्षिक है।

(उत्तर :– न्यूनता 300 रुपये)

8. नेहा क्लब नसीराबाद के निम्न 31 मार्च 2010 को समाप्त प्राप्ति एवं भुगतान खाते से, आय–व्यय खाता 31 मार्च 2010 को समाप्त अवधि का बनाइयें :–

Receipts & Payments Account
for the year ending on 31.03.2010

Receipts	₹	***Payments***	₹
To Balance b/d		By Scholarship	32,700
Cash	2,538	By Repairs	1,709
Bank	14,060	By Rent	725
To Donations	8,000	By Capital Expenditure	7,500
To Hereditary assets	10,000	By Furniture	1,350
To Subscriptions	29,000	By Salaries	7,440
To Interest	3,250	By Balance c/d	
To Miscellaneous receipts	1,376	Cash	2,820
		Bank	13,980
	68,224		68,224

दान (Donation) व पैतृक सम्पत्तियों (Hereditary Assets) को 50 प्रतिशत पूँजीकृत तथा शेष 50 प्रतिशत को आय माने।

(उत्तर :– आधिक्य 52 ₹)

9. एक क्लब के निम्न प्राप्ति एवं भुगतान खाते एवं अतिरिक्त सूचनाओं से 31 दिसम्बर 2010 का आय–व्यय खाता बनाइये :–

Receipts & Payments Account

Receipts	₹	***Payments***	₹
To Balance b/d	3,190	By Rent	1,680
To Entrance Fees	550	By Wages	2,450
To Subscriptions	18,000	By Lighting Charges	720
To Donations	1,650	By Books Purchases	2,480
To Life Membership Fees	2,500	By Office Expenses	4,500

To Interest on Deposits	240	By 8% Fixed Deposits	
To Proceeds of Tournaments	2,320	(On 1 July 2010)	12,000
		By Tournament Expenses	2,020
		By Cash in hand	2,600
	28,450		28,450

अतिरिक्त सूचनाएँ :–

(अ) 31 दिसम्बर 2009 को 20,000 ₹ की पुस्तकें व 8,500 ₹ का फर्नीचर था। वर्ष के दौरान क्रय की गई इन सम्पत्तियों को शामिल करते हुए 10 प्रतिशत मूल्य ह्रास लगाइये।

(ब) वर्ष के प्रारम्भ मे चन्दे की बकाया राशि 350 ₹ व वर्ष के अन्त में 550 ₹ थी।

(स) क्लब के द्वारा वर्ष के प्रारम्भ व अन्त में 3 माह का किराया अग्रिम दिया गया है।

(उत्तर :– आधिक्य 8,732 ₹)

10. एक मनोरंजन क्लब के नीचे दिये गये प्राप्ति एवं भुगतान खाते एवं अतिरिक्त सूचनाओं से 31 दिसम्बर 2010 को समाप्त वर्ष का आय–व्यय खाता व उसी तिथि को चिट्ठा तैयार कीजिए।

Receipts & Payments Account for 2010

Receipts	₹	***Payments***	₹
To Balance	1,025	By Salaries	600
To Membership fees		By Expenses	75
2009	40	By Drama Expenses	450
2010	2,050	By Newspapers	150
2011	60	By Municipal Taxes	40
To Donations	540	By Charity	350
To Sale of Drama tickets	950	By Investments	2,000
To Sale of Waste Paper	45	By Electric Charges	145
		By Balance	900
	4,710		4,710

अतिरिक्त सूचनाएँ :–

(अ) क्लब के 500 सदस्य हैं। प्रति सदस्य सदस्यता शुल्क 5 ₹ है। 2009 का सदस्यता शुल्क 50 रुपये बकाया था।

(ब) नगरपालिका कर 40 ₹ वार्षिक का भुगतान 31 मार्च 2011 तक का किया गया है। तथा वेतन बकाया 50 ₹।

(स) भवन पुस्तकों में 5000 ₹ पर दर्शाया गया है।

(द) विनियोगों पर 5 माह का ब्याज 6 प्रतिशत की दर से उपार्जित है।

(उत्तर :– आय का व्यय पर आधिक्य 2,235 ₹ तथा चिट्ठे का योग 8,420 ₹ है)

11. एक क्रिकेट क्लब के नीचे दिये गये प्राप्ति–भुगतान खाते एवं अतिरिक्त सूचनाओं से 31 दिसम्बर 2010 का आय–व्यय खाता व चिट्ठा तैयार कीजिए।

Receipts	₹	***Payments***	₹
Opening Balance : Cash	290	New Building constructed	75,000
Bank	3,710	Souvenir	2,000
Subscriptions	12,000	Salaries	6,000
Donations	13,000	Postage	500
Activities Collection	6,900	Telephone	500
Sale of Old Newspapers	300	Electricity	600
Souvenir Advertisement	5,800	Maintenance Expenses	12,000
Endowment Income	3,000	Newspapers	500
Sale Proceeds of Old Building		Closing Balance : Cash	300
at Book Value	60,000	Bank	11,600
Income from Investments @ 10%	4,000		
	1,09,000		1,09,000

अतिरिक्त सूचनाएँ :–

(अ) वर्ष 2010 का बकाया चन्दा 800 ₹, वर्ष 2011 का अग्रिम प्राप्त चन्दा 1,200 एवं वर्ष 2009 का बकाया चन्दा 1,500 ₹ में से प्राप्त 1,000 ₹।

(ब) अदत्त व्ययः– वेतन 1,200 ₹, बिजली 100 ₹, टेलीफोन 100 ₹, डाक व्यय 100 ₹।

(स) भवन पर 5 प्रतिशत मूल्य ह्रास लगाना है।

(उत्तर :– आधिक्य 16,250 ₹, प्रारम्भिक पूँजीकोष 1,05,500 तथा चिट्ठे का योग 1,24,450 ₹)

12. निम्न से 31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष का आय–व्यय खाता व चिट्ठा बनाइये :–

Receipts and Payments Account for the year ending 31 March, 2010

Receipts	₹	***Payments***	₹
To Balances :		By Salaries	36,000
Cash at Bank	4,550	By Rent	6,000
Cash in Office	550	By Printing and Stationery	1,450
To Subscription (including		By Postage	250
Rs. 2,000 for 2010-11)	30,000	By Bicycle (Purchased)	950
To Interest on Investments		By Govt. Bonds	6,800
(Cost of Investments		By Balances :	
₹ 1,50,000)	15,000	Cash in Office	120

To Bank Interest To Sale of Scooter	100 2,500	Cash at Bank	1,130
	52,700		52,700

अतिरिक्त सूचनाएँ :–

(अ) चन्दे में 2008–09 के 1,200 ₹ शामिल हैं।

(ब) किराया में मार्च 2009 के 500 ₹ सम्मिलित हैं।

(स) 2009–10 का बकाया चन्दा 1,500 ₹।

(द) मार्च 2010 का किराया बकाया हैं, एवं 250 ₹स्टेशनरी के बकाया है।

(य) स्कूटर का पुस्तक मूल्य 3,200 ₹ है।

(उत्तर :– न्यूनता 1,250 ₹, प्रारम्भिक पूँजीकोष 1,59,000 तथा चिट्ठे का योग 1,60,500 ₹)

13. नीचे दी गई सूचनाओं से 31 दिसम्बर 2010 को समाप्त वर्ष का आय–व्यय खाता व चिट्ठा तैयार कीजिए :–

Receipts	₹	***Payments***	₹
To Balance b/d	3,350	By Salaries	1,200
To Entrance Fees	300	By Electric Charges	120
(Revenue nature)		By Other Expenses	525
To Subscription :		By Fixed Deposits	2,500
Arrears	50	By Utensils	200
Current year	3,500	By Creditors For Cons. Stores	1,000
Advance	75	By Balance c/d	2,150
To Refreshment	100		
To Misc. Income	320		
	7,695		7,695

(अ) वर्ष के प्रारम्भ में निम्न सम्पत्तियाँ व दायित्व थे :–

बर्तन (Utensils) 800 ₹, फर्नीचर (Furniture) 2,500 ₹, उपभोग सामग्री (Consumable Stores) 350 ₹, लेनदार (Creditors) 1,200 ₹।

(ब) वर्ष के अन्त में शेष :–

उपभोग सामग्री 700 ₹, लेनदार 550 ₹, बकाया चन्दा 75 ₹ और स्थायी जमा पर उपार्जित ब्याज 25 ₹ ।

(स) फर्नीचर एवं बर्तनों के अन्तिम शेष पर क्रमशः 10 प्रतिशत व 15 प्रतिशत मूल्य ह्रास लगाना है।

(उत्तर :– आधिक्य 2,075 ₹, प्रारम्भिक पूँजीकोष 5,850 ₹ तथा चिट्ठे का योग 8,550 ₹)

14. एक क्रिकेट क्लब के निम्न प्राप्ति–भुगतान खाते एवं अतिरिक्त सूचनाओं से 31 मार्च 2010 का आय–व्यय खाता व उसी तिथि का चिट्ठा तैयार कीजिए :–

Receipts	₹	***Payments***	₹
To Balance b/d :		By Salaries and Wages	12,000
At Office 150		By Sports Equipment	46,785
At Bank <u>14,200</u>	14,350	By Stationery and Printing	1,220
To Subscriptions	61,100	By Maintenance of Ground	6,000
To Admission Fees	350	By Prizes	1,060
To Interest on		By Balance c/d :	
Investment @ 9% per		At Office 380	
annum for full year	9,000	At Bank <u>17,355</u>	17,735
	84,800		84,800

अतिरिक्त सूचनाएँ :–

	01–04–2009 ₹	31–03–2010 ₹
(अ) बकाया चन्दा	480	560
(ब) अग्रिम प्राप्त चन्दा	80	40
(स) खेल–कूद उपकरण (Sports Equipments)	21,800	29,700
(द) भूमि एवं भवन (Cost Less Depreciation)	80,000	76,000

(उत्तर :– आधिक्य 7,405 ₹, प्रारम्भिक पूँजीकोष 2,16,550 ₹ तथा चिट्ठे का योग 2,23,995 ₹)

15. अजय शिक्षा संस्थान जयपुर के 31 दिसम्बर 2010 के निम्न तलपट एवं अन्य सूचनाओं से 31 दिसम्बर 2010 को समाप्त वर्ष को आय–व्यय खाता एवं उसी तिथि का चिट्ठा तैयार कीजिए :–

Debit Balance	₹	**Credit Balance**	₹
Cash in hand	500	Capital Fund	45,600
Cash at Bank		Subscriptions Received :	
Current Account	2,100	2009	2,100
Fixed Deposit @ 6%	10,000	2010	32,600
Government Securities :		2011	1,700
Prize Fund 10,000		Grants from Government	24,000
Others <u>40,000</u>	50,000	Prize Fund	10,000
Scholarships awarded	48,000	Interest on Government	
Prize award	300	Securities	2,000
Salaries	9,100	Life Memberships Received	6,000
Rent	2,100	Entrance Fees	500

Miscellaneous Expenses	1,900	Salaries Outstanding 1st Jan 2010	1,500
Stationery on hand (31-12-10)	500		
Subscriptions Outstanding 1st Jan 2010	2,100	Subscriptions Received in advance 1st Jan 2010	600
	1,26,600		1,26,600

अन्य सूचनाएँ :–

(अ) वर्ष का बकाया चन्दा 3,600 ₹ एवं वेतन 1,300 ₹।

(ब) वर्ष 2010 की छात्रवृत्ति (Scholarships) बकाया 2,100 ₹।

(स) स्थायी जमा 1 अक्टूबर 2010 को, की है।

(उत्तर :– आधिक्य 50 ₹ तथा चिट्ठे का योग 66,850 ₹)